राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 23 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 22 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में बदमाशों ने रुकवाई कैश वैन 7 करोड़ लूटकर फरार

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में दिनदहाड़े डकैती की वारदात सामने आई है। एक गिरोह ने एटीएम में कैश जमा करने के लिए नकदी ले जा रहे वाहन से 7.11 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। शहर में वाहनों की जांच तेज कर दी गई है। यह घटना साउथ एंड सर्कल के पास हुई। कर्मचारी एटीएम में नकदी डालने ले जा रहे थे, तभी इनोवा कार में सात-आठ बदमाश वहां पहुंचे। उन लोगों ने खुद को आरबीआइ का अधिकारी बताकर नकदी प्रबंधन टीम को धमकाया। उन्होंने बंदूकधारी और अन्य कर्मचारियों को गाड़ी से बाहर निकाल दिया। वे चालक को डेयरी सर्कल की ओर ले गए और फ्लाईओवर पर गाड़ी रोक दी। वहां लुटेरों ने नकदी अपनी इनोवा कार में रखवा ली और मौके से फरार हो गए। कैश वैन के कर्मचारियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। गाड़ी में ड्राइवर, दो बंदूकधारी और एक कैश लोडिंग स्टाफ मौजूद था। अपराधियों ने बंदूकधारियों और कैश लोडिंग स्टाफ को अपनी इनोवा कार में बिठा लिया।

शादी के 3 साल बाद गोली मारकर विवाहिता की हत्या

रोहतक। रोहतक के कहानी गांव में वीरवार रात 23 वर्षीय सपना की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका देवर साहिल (20) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को रात करीब पौने 11 बजे पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सपना को मृत घोषित किया। साहिल अस्पताल में उपचाराधीन है। हमलावरों की संख्या चार बताई जा रही है। घटना के समय सपना का पति सूरज शहर में ऑटो लेकर गया हुआ था। घर पर सूरज की मां, भाई, पत्नी और बेटा मौजूद थे। 22 नवंबर को सूरज के दो साल के बेटे का जन्मदिन है, जिसके लिए घर में तैयारियां चल रही थीं। सपना और सूरज ने लगभग तीन साल पहले कोर्ट मैरिज की थी, जिसे सपना के परिजनों ने स्वीकार नहीं किया था। विरोध के चलते सपना के परिवार ने दोनों को गांव में रहने से रोक दिया था। दबाव के कारण दंपती ने गांव छोड़कर रोहतक में किराए पर रहना शुरू कर दिया था, लेकिन पिछले दो महीनों से वे फिर गांव आने-जाने लगे और वहीं रहने लगे। इसी बात को लेकर सपना के मायके पक्ष में नाराजगी मानी जा रही है।

शिवसेना नेता व बेटे पर हमले में पांच के खिलाफ केस दर्ज

फगवाड़ा। फगवाड़ा के स्थानीय गऊशाला बाजार में शिवसेना नेता व बेटे पर हमले के मामले में थाना सिटी पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ इरादा कत्ल सहित आर्म्स एक्ट तथा संगीन धाराओं के अंतर्गत केस दर्ज कर लिया है। एसपी माधवी शर्मा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि शिवसेना नेता इंद्रजीत करवल व उसके बेटे जिम्मी करवल को गोशाला बाजार में कुछ लोगों ने घेर कर हमला कर दिया व उन पर गोलियां चलाई है, जिन्हें तुरंत सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

बांग्लादेश में कांपी धरती

भूकंप के बाद 6 लोगों की मौत...50 घायल होने की खबर

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई. अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है. वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था. स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है. बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था. यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है. ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर

गंभीर रूप से घायल हो गया. सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था. उन्होंने बताया कि मेडिकल छात्र की मां गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी तत्काल सर्जरी करनी पड़ी. स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, ढाका में जान गंवाने वाले तीन लोगों में आठ साल का एक बच्चा शामिल है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है. अधिकारियों के मुताबिक, चौथी मौत नारायणगंज में हुई, जहां एक नवजात बच्ची ने उस समय मलबे की चपेट में आकर दम तोड़ दिया, जब उसकी मां उसे गोद में लेकर एक दीवार के पास से गुजर रही थी, जो भूकंप के कारण ढह गई. अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के बाद पुराने ढाका में स्थित सुतरापुर के स्वामीबाग इलाके में स्थित आठ-मंजिला एक इमारत के पास की दूसरी इमारत पर झुक जाने की खबर मिली, जबकि कालाबागान क्षेत्र में सात-मंजिला एक इमारत झुकी हुई दिखाई दी. हालांकि, अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है. ढाका के आलीशान बरिधारा इलाके में भूकंप के झटके के तुरंत बाद एक घर में आग लग गई, लेकिन दमकल कर्मी यह पुष्टि नहीं कर सके कि इसका संबंध भूकंप से था या नहीं. ढाका से सटे मुंशीगंज के गजारिया इलाके में भी एक आवासीय इमारत में आग लगने की खबर मिली।

दुबई एयर शो में भारतीय फाइटर जेट तेजस क्रैश,पायलट की मौत

दुबई। दुबई एयर शो में शुक्रवार को आयोजित उड़ान प्रदर्शन के दौरान भारतीय तेजस लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। वायु सेना ने बयान जारी कर बताया कि इस हादसे में पायलट की भी मौत हो गई है। स्थानीय समय अनुसार दोपहर 2:10 बजे तेजस प्रदर्शन के दौरान डेमो उड़ान भर रहा था, तभी अचानक विमान अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और कुछ ही पलों में काले धुएं का गुबार हवा में फैल गया। वहां मौजूद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में लोग दुबई एयर शो देखने आए थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। भीड़ ने विमान को नीचे गिरते देखा और फिर अचानक उठते धुएं के कारण अफ़रा-तफ़री का माहौल बन गया। एक घंटे से भी कम समय में आग पर पाया गया काबू दुबई की स्थानीय मीडिया के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर्स और फ़ायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाया गया।

खराब सेहत का दिया था हवाला

जेल में कंबल के बाद कुर्सी न मिलने से गुस्साए आजम

रामपुर। जेल प्रशासन ने सपा नेता आजम खां को कुर्सी देने से मना कर दिया। कुर्सी नहीं देने से आजम खां गुस्सा गए, उन्होंने मुलाकात से मना कर दिया। उधर, आजम खां ने बृहस्पतिवार को जेल अधीक्षक से कोर्ट के आदेश की प्रति मांगी। जेल प्रशासन ने उन्हें आदेश की प्रति उपलब्ध करा दी है। वहीं सोमवार रात आजम ने घर से कंबल की मांग की। जेल प्रशासन ने उनसे मना किया तो आजम खां नाराज हो गए थे। जेल प्रशासन के अनुसार, सपा नेता आजम खां बुधवार को अपने वकीलों से मिले थे। इस दौरान वकील ने उन्हें कोर्ट के आदेश के बारे में बताया। उधर बृहस्पतिवार को आजम ने जेल

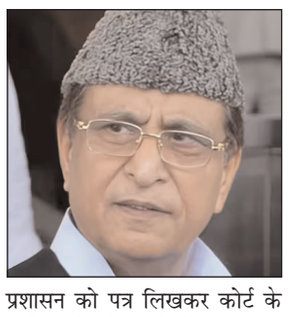

प्रशासन को पत्र लिखकर कोर्ट के आदेश की प्रति मांगी। जेल प्रशासन ने उन्हें कोर्ट की आदेश की कॉपी उपलब्ध कराई। इससे पूर्व आजम खां ने जेल प्रशासन से अपनी सेहत का हवाला देते हुए बैठने के लिए कुर्सी की मांग की। जेल प्रशासन ने जेल मैनुअल का हवाला देते हुए कुर्सी देने से मना कर दिया।

आदिवासी नेता और पूर्व विधायक कुंजाम ने आरोप लगाया

हिडमा फर्जी मुठभेड़ में मारा गया...इसके पीछे माओवादी नेता देवजी का हाथ:मनीष कुंजाम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता और पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में जिस मुठभेड़ में नक्सली कमांडर माडवी हिडमा मारा गया वह फर्जी मुठभेड़ थी तथा उसके पीछे वरिष्ठ माओवादी नेता देवजी की भूमिका है. पुलिस के मुताबिक 18 नवंबर की सुबह पड़ोसी आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मरेदुमिल्ली के जंगल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिडमा (51), उसकी पत्नी मडकम राजे और चार अन्य नक्सली मारे गए. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व विधायक कुंजाम, जो अब अपने संगठन 'बस्तरिया राज मोर्चा' का नेतृत्व करते हैं, ने दावा किया कि देवजी ने फायदा उठाने और खुद को बचाने के लिए हिडमा की मौत की साजिश रची. छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कुंजाम ने आरोप लगाया कि हिडमा को जिंदा पकड़ा गया और फिर मार दिया गया. मुठभेड़ पूरी तरह से फर्जी थी.कुंजाम ने कहा, हिडमा

की मौत के दो दिन बाद, आंध्र प्रदेश में 50 लोग (नक्सली) गिरफ्तार हुए थे. क्या 50 लोग गिरफ्तार होने के लिए वहां जाएंगे? उनमें से अधिकतर स्थानीय लड़के हैं और सुकमा तथा बीजापुर (दक्षिण बस्तर) से हैं. उन्होंने दावा किया कि खेल देवजी ने रचा था जो नक्सलियों का एक बड़ा नेता है.कुंजाम ने आरोप लगाया, देवजी उन सभी को आत्मसमर्पण करवाने के बहाने आंध्र प्रदेश ले गया तथा अपनी छवि सुधारने तथा राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इसका इस्तेमाल किया. उन्होंने कहा, अखबारों में हिडमा को सभी बड़ी (नक्सली) घटनाओं का सूत्रधार बताया गया है, फिर आंध्र प्रदेश से आए पढ़े-लिखे लोगों का क्या (जो माओवादी के तौर पर सक्रिय थे), क्या वे सिर्फ घास छील रहे थे? उन्होंने सारा इल्जाम हिडमा पर डाल दिया. उन्होंने उसे मरवा दिया और बाकी को गिरफ्तार करा दिया. कुंजाम ने आरोप लगाया कि देवजी न तो गिरफ्तार हुआ है और न ही मारा गया है. वह आंध्र प्रदेश सरकार के मेहमान के तौर पर आराम से कहीं बैठा है.उन्होंने आंध्र प्रदेश के नक्सली नेताओं पर बस्तर के आदिवासी युवाओं को हथियारबंद आंदोलन के लिए 'हथियार देने और उकसाने' का भी आरोप लगाया.

कर्नाटक में सीएम पद का घमासान जारी

कर्नाटक में 140 विधायक मंत्री बनने के योग्य-डीके शिवकुमार

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। हालांकि, राज्य में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बड़ा बयान आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि समूह बनाना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। सीएम ने फैसला किया है कि वह सरकार और कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए, वे सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं। यह स्वाभाविक है कि वे

दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा, मैं क्या कह सकता हूँ? उन्हें पूरा अधिकार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं किसी को नहीं ले गया। उनमें से कुछ लोग खड़गे साहब से मिले। उन्होंने सीएम से भी मुलाकात की। क्या गलत है? यह उनकी जिंदगी है। किसी ने उन्हें बुलाया नहीं है, वे स्वेच्छा से जा रहे हैं और अपना चेहरा दिखा रहे हैं। वे अपनी उपस्थिति दिखाना चाहते थे कि वे सबसे आगे हैं, काम कर सकते हैं और वे जिम्मेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी 140 विधायक मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। वे सब कुछ बन सकते हैं...मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। हम सब उनके साथ मिलकर काम करेंगे। कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा ने कहा कि यह निर्णय हाईकमान और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को लेना है... मैंने शिवमोगा, कुछ सड़क मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते, मंजूरी या कार्रवाई तय समय में जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि राज्यपाल के पास किसी भी बिल पर निर्णय लेने के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार करने या प्रक्रिया रोककर रखने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि डीम्ड असेंट (निर्धारित समय में मंजूरी मान लेना) का सिद्धांत संविधान की भावना और शक्तियों के बंटवारे के मूल सिद्धांत के अनुरूप नहीं माना जा सकता, लेकिन साथ ही राज्यपाल बिल को अनिश्चितकाल तक लंबित भी नहीं रख सकते।

एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे

एसआईआर लोकतंत्र को बचाने का अभियान-गृहमंत्री अमित शाह

भुज/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें. वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की

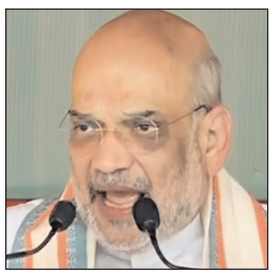

टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था. शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है. घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है. एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं ।

आज से लागू हुए नए श्रम कानून

चार श्रम संहिताएं सबसे व्यापक,प्रगतिशील सुधार:पीएम मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की. इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है. इसमें गिग यानी अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य नियुक्ति पत्र और सभी क्षेत्रों में वैधानिक न्यूनतम मजदूरी तथा समय पर भुगतान जैसे प्रावधान शामिल हैं. ये चार श्रम संहिताएं-वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं. सुधारों में महिलाओं के लिए विस्तारित अधिकार और सुरक्षा शामिल हैं. इनमें रात की पाली में काम, 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच, खतरनाक प्रक्रिया इकाइयों सहित पूरे भारत में ईएसआईसी कवरेज और एकल पंजीकरण, लाइसेंस प्रणाली शामिल हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ये संहिताएं हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल तथा लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी. उन्होंने कहा, यह श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाला तथा भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने वाला भविष्य के लिए

तैयार परिवेश बनाएगा. ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, उत्पादकता को गति देंगे तथा विकसित भारत की हमारी यात्रा को तेज करेंगे. मोदी ने कहा, यह आजादी के बाद से अब तक के सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक है. यह हमारे श्रमिकों को बहुत अधिक सशक्त बनाता है. यह अनुपालन को काफी सरल भी बनाता है तथा 'कारोबारी सुगमता' को बढ़ावा देता है. श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं. उन्होंने कहा कि श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी, श्रमिक संरक्षण को मजबूत करेंगी तथा श्रम परिवेश को सरल, सुरक्षित और वैश्विक गतिविधियों के अनुरूप बनाएंगी. अतिरिक्त व्यवस्थागत सुधारों में राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी, स्त्री-पुरूश का अंतर किए बिना कार्य नीतियां, सहायक अनुपालन के लिए इंस्पेक्टर-सह-सुविधाकर्ता मॉडल, दो-सदस्यीय न्यायाधिकरण के जरिये तेजी से विवाद समाधान और राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य (ओएसएच) बोर्ड शामिल हैं. सरकार अब विस्तृत नियम और योजनाएं बनाने के लिए परामर्श शुरू करेगी. इस बीच जहां जरूरी होगा, मौजूदा श्रम कानूनों के प्रावधान लागू रहेंगे.

पीएम मोदी के नेतृत्व में श्रम सुधारों का ऐतिहासिक क्रियान्वयन :सीएम साय

मुख्यमंत्री ने आज देश में चार श्रम संहिताओं के ऐतिहासिक क्रियान्वयन पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि श्रम सुधारों का यह महत्वपूर्ण निर्णय देश के 40 करोड़ से अधिक श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा, सामाजिक सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की एक अभूतपूर्व गारंटी है.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज का दिन भारत के श्रम क्षेत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर है. चारों श्रम संहिताओं के लागू होने से न्यूनतम वेतन का अधिकार, महिलाओं को समान वेतन का प्रावधान, फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, प्रत्येक श्रमिक के लिए सामाजिक सुरक्षा, मुफ्त स्वास्थ्य जांच की सुविधा और ओवरटाइम पर डबल वेतन जैसी व्यवस्थाएँ पूरे देश में सुनिश्चित होंगी.

संक्षिप्त समाचार

सरकारी अस्पताल में एक दिन में 5 बच्चों ने लिया जन्म: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में मरीजों का बढ़ रहा भरोसा, जच्चा बच्चा दोनो स्वस्थ

बिलाईगढ -(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट॥ष्ट) बिलाईगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। पिछले 24 घंटों के भीतर, केंद्र में पाँच सफल प्रसव कराए गए, जिनमें तीन कन्या और दो पुत्र का जन्म हुआ। सभी नवजात शिशु और उनकी माताएँ पूरी तरह स्वस्थ हैं। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि कुमार जायसवाल के नेतृत्व में अस्पताल की सुविधाओं और सेवाओं के प्रति मरीजों का भरोसा बढ़ा है। मरीजों के अनुसार, अस्पताल में मिल रही उन्नत सुविधाओं, बेहतर देखभाल और स्वास्थ्य कर्मियों के संवेदनशील व्यवहार ने लोगों के विश्वास को मजबूत किया है। प्रसूति सेवाओं में निरंतर प्रगति के कारण अब अधिकांश गर्भवती महिलाएँ सुरक्षित प्रसव के लिए बिलाईगढ़ ष्ट॥ष्ट को प्राथमिकता दे रही हैं। इस संबंध में, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि कुमार जायसवाल ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्देश्य प्रत्येक मरीज को सुरक्षित, सरल और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। स्वास्थ्य विभाग और उनकी टीम इस दिशा में लगातार कार्यरत है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मिल रही नि:शुल्क सुविधाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। डॉ. जायसवाल ने बताया कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टस्रू॥ह्व) डॉ. एफआर. निराला के निर्देश पर बिलाईगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।

सीडीएसएल ने आत्मनिर्भरता के लिए निवेशक शिक्षा और सहभागिता की पुनर्कल्पना करने हेतु छात्रों को आमंत्रित करते हुए आइडियाथॉन की शुरुआत की

मुंबई : एशिया की पहली सूचीबद्ध डिपॉजिटरी और 16.7 करोड़ से ज़्यादा डीमैट खातों की विश्वसनीय संरक्षक, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) ने छात्रों के लिए एक नवाचार चुनौती, अपना पहला आइडियाथॉन शुरू किया है। रीइमेजिन आइडियाथॉन, सीडीएसएल के वार्षिक रीइमेजिन सिम्पोजियम के तीसरे संस्करण के तहत एक पहल है। आइडियाथॉन का उद्देश्य युवा नवोन्मेषी प्रतिभाओं को ऐसे समाधान तैयार करने में शामिल करना है जो भारत के सीखने, निवेश करने और विकास के तरीके को बदल दें - ताकि बाज़ार में भागीदारी को और अधिक ज़िम्मेदार और समावेशी बनाया जा सके। डिपॉज़िटरी इकोसिस्टम 21 करोड़ से ज़्यादा निवेशकों के डीमैट खातों की संपत्तियों को सुरक्षित रखता है। प्रतिभूति बाज़ार में भागीदारी को और मज़बूत करने और नागरिकों को इस विकास गाथा से लाभान्वित होने से रोकने वाली बाधाओं को रणनीतिक रूप से दूर करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

सेबी और आरबीआई जैसे नियामकों द्वारा की गई इसी तरह की पहलों के आधार पर, सीडीएसएल युवा नवप्रवर्तकों को वित्तीय क्षेत्र में अधिक लोगों को लाने के लिए अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित करने के प्रयास में शामिल हो रहा है। इस पहल का उद्देश्य निवेशक शिक्षा को बढ़ावा देकर और बड़े पैमाने पर जागरूक एवं ज़िम्मेदार भागीदारी के माध्यम से बाज़ार तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना है। प्रतिभागी अपनी पसंद के समाधानों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, चाहे वह गेमीकरण, व्यवहारिक प्रोत्साहन, संचार, डिज़ाइन, तकनीक या समुदाय निर्माण के माध्यम से हो। समाधान में तीन मुख्य सिद्धांत: सशक्तिकरण, समावेशन और विश्वास शामिल होने चाहिए। सीडीएसएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री नेहल वोरा ने कहा, रीइमेजिन आइडियाथॉन ज़िम्मेदार नवाचार का उत्सव है। निरंतर विकसित होते बाज़ार परिदृश्य में, तकनीक विश्वास के उत्प्रेरक और चक्का का काम करती है जो निवेशकों को सही उपकरण और अंतर्दृष्टि प्रदान करके सशक्त बनाती है। प्रतिभूति बाज़ार हर निवेशक के लिए सहज, समावेशी और सुलभ होना चाहिए, और यह आइडियाथॉन राष्ट्र निर्माण और एक आत्मनिर्भर निवेशक के दृष्टिकोण को मज़बूत करने के लिए सीडीएसएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नाबालिग बच्चे से करवाया जा रहा है भवन निर्माण में दिहाड़ मजदूरी

ग्राम धनगांव की जनता ने सरपंच कलेश सिंह के भ्रष्ट कार्य प्रणाली की खोली पोल

कोरबा (समय दर्शन) कोरबा जनपद अंतर्गत के जंगली क्षेत्रों में बसे वन ग्राम धनगांव में शासकीय उचित मूल्य के नवीन भवन निर्माण कार्य में छोटे छोटे नाबालिग बच्चों से मजदूरी का काम लेने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा प्राप्त हुआ जिसके संबंध में समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों ने देखा की शासकीय भवन निर्माण कार्य में नाबालिक बच्चों से मजदूरी कराया जा रहा है बच्चों से पूछने पर उन्होंने अपना उम्र 14 साल और एक ने 17 साल बताया और लगभग 3 से 4 दिन हो चुके हैं उन्हें काम करते हुए । उन्होंने यह भी बताया की 250 से 300 रुपए तक की दैनिक मजदूरी पर बच्चों से काम लिया जा रहा है । जिसमें ग्राम पंचायत धनगांव के सरपंच कलेश सिंह कंवर के द्वारा काम लिया जाना बताया गया है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत धनगांव के ग्रामीणों ने बताया की गांव के अन्य जगह के निर्माण कार्यों को वर्तमान सरपंच द्वारा मशीन से या जेसीबी मशीन से कराया जाता है जिससे स्थानीय मजदूरों को काम नहीं मिल पाता है।

स्थानीय लोगों से पूछ परख करने पर सरपंच कलेश सिंह कंवर के द्वारा ग्राम के विकाश में अनियमितता और भ्रष्ट गतिविधि की बात स्पष्ट रूप से ग्रामीणों द्वारा कहा गया। उन्होंने यह भी कहा की विकास कार्यों में पैसे की बचत करने को लेकर निर्माण कार्य को मजदूर न रख के मशीन से कराया जाना बताया गया।

नाबालिक बालक जिनकी उम्र 14 से 17 है उनसे भवन निर्माण कार्य में काम कराने को लेकर स्थानीय लोगों से पूछने पर उन्होंने कहा की इस पर कार्यवाई होना चाहिए क्योंकि छोटे बच्चों से काम कराना गलत है 18 वर्ष से ऊपर के बालकों से काम लेना चाहिए । पंचायत के सरपंच की मनमानी को लेकर ग्रामीणों ने कहा सरपंच के द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है । वह सरपंच के कार्य प्रणाली से बिल्कुल भी खुश नहीं है।

आइए जानते है क्या कहता है बाल श्रम कानून- 14 साल से कम उम्र के बच्चों से मजदूरी करवाना एक कानूनी जुर्म है और इसके लिए सजा का प्रावधान है। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 और बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के तहत प्रतिबंधित है।

सजा का प्रावधान- बाल श्रम (प्रतिषेध तथा विनियमन) अधिनियम, 1986: के उल्लंघन पर दोषी को 3 साल तक की जेल हो सकती है।

दोषी पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

अगर बाल मजदूर के साथ शारीरिक या मानसिक शोषण होता है, तो यह मामला और भी गंभीर हो जाता है और सजा की अवधि व जुर्माना बढ़ सकता है।

यह क्यों जुर्म है?- बाल श्रम: बच्चों के अधिकारों और उनके शारीरिक व मानसिक विकास के खिलाफ है।

यह बच्चों को उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य से वंचित करता है आदि।

राठौर समाज के प्रादेशिक चुनाव के लिए नामांकन 12, नाम वापसी 13 एवं मतदान 14 दिसंबर को

सदस्यता फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर निर्धारित, 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ग्रहण कर सकेंगे सदस्यता

छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक 21 नवंबर 2025 को मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर नूतन कॉलोनी वार्ड नंबर 14 जांजगीर में संपन्न हुई, जिसमें राठौर क्षत्रिय सभा के प्रादेशिक चुनाव के लिए नामांकन प्रकिया 12 दिसंबर, नाम वापसी 13 दिसंबर एवं मतदान प्रकिया 14 दिसंबर 2025 को पूर्ण कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सदस्यता फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर 2025 निर्धारित करते हुए राठौर समाज के 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों से सदस्यता ग्रहण कराने पर सहमति बनी।

मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर नूतन कॉलोनी वार्ड नंबर 14 जांजगीर में 21 नवंबर 2025 को दोपहर 2 बजे से छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन के संबंध में आयोजित बैठक की शुरुआत मां काली की पूजा-अर्चना के साथ हुई। बैठक की शुरुआत में छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के प्रदेश अध्यक्ष सनत राठौर ने प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गोवर्धन प्रसाद राठौर में जानकारी देते हुए बताया कि 12 दिसंबर 2025 को अभ्यर्थियों से नामांकन फार्म जमा कराया जाएगा, वहीं 13 दिसंबर को नाम वापसी की प्रक्रिया संपन्न होगी जबकि, 14 दिसंबर 2025 को प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी। प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन के लिए राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर चौक जांजगीर स्थित नवनिर्मित ऑडिटोरियम को निर्धारित किया गया है, जहां पर सुबह 9:30 बजे से प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन की प्रक्रिया 14 दिसंबर 2025 को प्रारंभ होगी। उन्होंने आगे बताया कि इस दिन सुबह 9:30 बजे स्वल्पाहार के पश्चात 10 बजे ध्वजारोहण, ध्वज वंदन, दीप प्रज्वलन एवं माला सिंगर, 10:30 बजे अतिथि स्वागत समारोह, 11 बजे अतिथियों का उद्बोधन, 12 बजे अभ्यर्थियों का उद्बोधन, दोपहर 1 बजे भोजन अवकाश तथा दोपहर 2 बजे से निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ध्वजावतरण, आभार एवं समापन कार्यक्रम संपन्न होगा। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि साधारण सदस्यता शुल्क 5 नवंबर 2025 तक ही स्वीकार होगा। इसके बाद सदस्यता आवेदन मान्य नहीं किया जाएगा। सदस्यता आवेदन के साथ 200 रुपए एवं आवेदन पत्र में दो रंगीन पासपोर्ट साइज का फोटो सदस्यता प्रभारी के पास जमा करना होगा। चुनाव प्रक्रिया में किसी भी पद के लिए अभ्यर्थी को दो प्रस्तावक व दो समर्थक सदस्यों से सत्यापित करना होगा। नाम निर्देशन पत्र के साथ प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 31000 रुपए, प्रदेश महामंत्री पद के लिए 21000 रुपए एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए 21000 रुपए नगद चुनाव समिति में जमा करना होगा, यह राशि वापसी योग्य नहीं होगी। प्रदेश सभा के सदस्यों की सूची 9 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे सामाजिक भवन कल्याण तलवापारा जांजगीर में चस्पा की जाएगी। हस्ताक्षरयुक्त उक्त सूची में किसी प्रकार का संशोधन व परिवर्तन नहीं किया जाएगा। वहीं प्रदेश सभा का कार्यकाल केवल 3 वर्ष के लिए रहेगा। इस दौरान संरक्षक डॉ. केपी राठौर, प्रदेश अध्यक्ष सनत राठौर, कोषाध्यक्ष राम सागर राठौर, महामंत्री प्रशांत सिंह राठौर, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री बृजलाल सिंह राठौर, कोरबा जिला अध्यक्ष संतोष सिंह राठौर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पूर्व अध्यक्ष जीवन सिंह राठौर, जांजगीर-चांपा जिले के अध्यक्ष शिवप्रसाद राठौर, रायगढ़ जिला अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद राठौर, कृष्ण कुमार राठौर, केदार सिंह राठौर, हनुमान सिंह राठौर, अर्जुन राठौर, जांजगीर-चांपा जिले के कार्यकारी अध्यक्ष महेश राठौर, नवनीत सिंह राठौर, बिलासपुर जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह राठौर, हेमंत राठौर, मुरारी राठौर, लखेश्वर सिंह राठौर, सालिक राम राठौर, अरविंद राठौर, प्रीतम सिंह राठौर, हरीश राठौर, पुरुषोत्तम राठौर, राजेंद्र राठौर, नरेंद्र कुमार राठौर, रामगोपाल राठौर, मुकेश कुमार राठौर, उमेश कुमार राठौर, पवन राठौर, मनीष राठौर, भूपेंद्र सिंह राठौर, रतनलाल राठौर, मोटे लाल राठौर, हेमराज सिंह राठौर, राकेश कुमार राठौर, रामकुमार राठौर, शिव शंकर राठौर, द्वारिका प्रसाद राठौर, अश्वनी राठौर, मनोज सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

सीजीपीएसी का रिजल्ट जारी,करनौद के रोशन देवांगन ने 33 वा रैंक लाकर गांव का बढ़ाया मान

करनौद - गुरूवार की देर रात ष्टतक्रस्ट 2024 मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया जिसमें बम्हनीडीह ब्लॉक के करनौद निवासी रोशन देवांगन को सफलता मिली है वह 33वां रैंक लाकर गांव का नाम रोशन किया है,

गौरतलब छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने नवंबर 2024 में पीएससी ने 246 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था. 17 विभागों में डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित कई पदों पर इसके माध्यम से भर्ती होगी. इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा फरवरी में आयोजित की गई थी. इसके बाद जून में मुख्य परीक्षा आयोजित की गई थी पद से तीन गुना अधिक परीक्षार्थियों का चयन साक्षात्कार के लिए किया जाता है। योग्य उम्मीदवारों की उपलब्धता के आधार पर 643 का चयन साक्षात्कार के लिए किया गया। 10 नवंबर से प्रारंभ हुआ साक्षात्कार 20 नवंबर तक चला। बीते वर्षों की परंपरा का पालन करते हुए इंटरव्यू के अंतिम दिन 20 नवंबर को ही परिणाम घोषित कर दिए गए। जिसमें बम्हनीडीह ब्लॉक के करनौद निवासी रोशन देवांगन को 33वां रैंक प्राप्त हुआ है,वहीं उनकी इस सफलता से गांव में हर्ष का माहौल है,वहीं अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता,गुरुजनों को दिया है। रोशन देवांगन ने हमारे मीडिया प्रतिनिधि से कहा कि मैं मेरे पहले की पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय से प्रारंभ किया था वही से मेरा पढ़ाई कि अच्छी शुरुआत हुआ है और आगे कि पढ़ाई में लगातार जारी रखा एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित 12 वी कि परीक्षा में टॉप टेन में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था , उनकी इस उपलब्धि से पिता -सीताराम माता ङ्क जानकी देवी देवांगन, सरपंच रेवती-शैलेन्द्र डडसेना,घन्नू डडसेना,रविशंकर जलतारे,दुर्गा प्रसाद डडसेना,राजेन्द्र जांगड़े,शुभम पटेल सहित ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया।

टीकाकरण में देरी से हो सकता है ब्रेन फीवर का खतरा : डॉ. कनक

रायपुर। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर के नाम से भी जाना जाता है, एक गंभीर तथा टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जो खासकर बच्चों के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। हर वर्ष 5 अक्टूबर को विश्व मेनिन्जाइटिस दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके समय पर पता लगाने तथा टीकाकरण के माध्यम से रोकथाम के महत्व को उजागर करना है। हर वर्ष विश्वभर में करीब 25 लाख मामले सामने आते हैं, जिनमें से लगभग 70प्रतिशत मौतें पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में होती हैं, जो इसे एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बनाता है। डॉ. कनक रमनानी, कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन एवं नियोनेटोलॉजिस्ट, ममता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोवा, रायपुर, कहते हैं, समय पर टीकाकरण बेहद जरूरी है। यह जान बचाता है, अपंगता से बचाता है और समुदाय की सुरक्षा बढ़ाता है। जितने अधिक लोग सुरक्षित होंगे, हमारी समुदाय उतनी ही सुरक्षित होगी। मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्ली (मेनिन्जीस) में सूजन के कारण होता है। यह बैक्टीरिया, फंगस या वायरस संक्रमण की वजह से हो सकता है। इसके लक्षण संक्रमण के प्रकार, बीमारी की गंभीरता (तीव्र, उपतीव्र या जीर्ण), मस्तिष्क पर प्रभाव (मेनिंगो-एन्सेफ्लाइटिस) और अन्य जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं। मुख्य लक्षणों में गर्दन में अकड़न, बुखार, भ्रम या मानसिक स्थिति में बदलाव, तेज सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कभी-कभी दौरे, कोमा और तंत्रिका संबंधी समस्याएं जैसे सुनने या देखने की क्षमता में कमी, मानसिक दुर्बलता या हाथ-पैरों में कमजोरी भी देखी जाती है।

हसौद थाना क्षेत्र के ढाबों पर खुलेआम अवैध शराब परोसा जाने का मामला गंभीर, पुलिस की भूमिका पर उठ रहे सवाल

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के हसौद थाना क्षेत्र से इन दिनों एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। क्षेत्र में स्थित कई ढाबों पर खुलेआम अवैध शराब परोसी जा रही है, जिसके कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सूत्रों की मानें तो हसौद क्षेत्र में दर्जनों की संख्या में ढाबे संचालित हो रहे हैं, जिनमें से कई ढाबों पर न केवल खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कानून के विरुद्ध जाकर शराब की बिक्री भी धड़ल्ले से की जा रही है।

ढाबा संचालकों का मनमाना खेल- जानकारी के अनुसार ढाबा संचालक हसौद की सरकारी शराब दुकान से बड़ी मात्रा में देसी शराब, अंग्रेजी शराब और बीयर खरीदकर अपने ढाबों में आने वाले ग्राहकों को मनमाने दामों पर परोस रहे हैं। शाम होते ही ढाबों में भीड़ बढ़ जाती है, और देर रात तक शराब पीने-पिलाने का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन ढाबों पर शराब परोसने का पूरा सिस्टम काफी संगठित तरीके से चलता है, जिसका मुख्य उद्देश्य है—अवैध रूप से ज्यादा से ज्यादा कमाई करना।

पुलिस को जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं- सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस को इसकी जानकारी होने के बावजूद भी कोई कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? सूत्र बताते हैं कि कई बार स्थानीय लोग इस मामले की शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। आरोप यह भी है कि कुछ ढाबा संचालकों ने हसौद थाना के कुछ कर्मचारियों से सांठगांठ कर रखी है, जिसके चलते पूरे मामले को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों में बढ़ रही नाराजगी- इन ढाबों पर अवैध शराब बिक्री के कारण इलाके में अव्यवस्था बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि शराब पीकर सड़क किनारे खड़े होने या बाइक से तेज गति में लौटने वाले ग्राहक दुर्घटनाओं की आशंका को बढ़ा देते हैं। आसपास रहने वाले परिवारों को देर रात तक होने वाली भीड़ और शोर-शराबे से परेशान रहना पड़ता है। कई अभिभावकों ने चिंता जताई है कि ऐसी गतिविधियों का असर क्षेत्र के युवाओं पर भी नकारात्मक रूप से पड़ रहा है।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल- स्थिति यह है कि ढाबों पर अवैध शराब बिक्री किसी से छिपी नहीं है, लेकिन फिर भी न तो पुलिस की ओर से कोई छापेमारी की जा रही है और न ही संचालकों पर कोई सख्त कार्रवाई। ऐसे में आम जनता प्रशासन की गंभीरता पर सवाल उठाने लगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि इस तरह खुलेआम अवैध कारोबार चलता रहा, तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

आईए जानते हैं कहां-कहां हो रही है ढाबा संचालित- ग्राम हसौद में ग्राम कैथा में दो जगह ग्राम धमनी मेन रोड में दो जगह ग्राम अमलीडीह में दो जगह इसी प्रकार क्षेत्र में आधा दर्जन से भी ज्यादा ढाबा संचालित हो रही है और उनमें अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है

क्या होगी कार्रवाई?- अब नजरें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में कब तक अनदेखी करता है और कब जाकर ढाबों पर चल रहे इस अवैध शराब कारोबार पर रोक लगाई जाएगी। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो स्थानीय लोग बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दे रहे हैं।

फोर्टिफाइड चावल के उपभोग से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने से मिलेगा लाभ

पोषण सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता

रायपुर। राज्य शासन कुपोषण से लड़ने और राज्य में फोर्टिफाइड चावल के उपभोग को बढ़ावा देने निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम और समाज कल्याण फाउंडेशन के सहयोग से गत दिवस मेफेयर लेक रिज़ॉर्ट, रायपुर में चावल फोर्टिफिक्रेशन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ष्पोषण प्रथमष् जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसे विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है।

श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले, सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की निदेशक डॉ. फरिहा आलम ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की तकनीकी सहायता से विभाग चावल फोर्टिफिक्रेशन पर नवंबर 2020 से कार्य कर रहा है और अब इसके परिणाम दिखाई देने लगे हैं। आम जन फोर्टिफाइड चावल के उपभोग के महत्व को समझने लगे हैं। यह कार्यशाला प्रतिभागियों को फील्ड स्तर के प्रश्नों को जानने-समझने और फोर्टिफाइड चावल के उपभोग से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में सहायक होगी।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की सहायक प्राध्यापक डॉ. शुभा बनर्जी ने कार्यशाला में चावल फोर्टिफिक्रेशन की ष्क्या, क्यों, कहाँ, कैसे और कब पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में एनीमिया की उच्च दर अपर्याप्त पोषण का परिणाम है। फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति और खपत भी एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत एनिमिया दूर करने की प्रमुख रणनीतियों में शामिल है और इससे एनीमिया में कमी आयी है। विश्व खाद्य कार्यक्रम के सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट श्री अरुणांशु गुहाठकुरता ने छत्तीसगढ़ में चावल फोर्टिफिक्रेशन पर डब्लूएफपी की भूमिका पर जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम के विकास, तकनीकी सहायता इकाई इकाई की स्थापना और फोर्टिफाइड चावल के उपयोग के संबंध में जागरूकता अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के उप संचालक एवं बाल स्वास्थ्य एवं नोडल अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत, ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम में विभाग का प्राथमिक फोकस आईएफए सप्लीमेंटेशन प्रदान करना है। खाद्य विभाग द्वारा फोर्टिफाइड चावल शुरू करने की पहल अत्यंत सराहनीय है, जिससे एनीमिया में कमी आई है। कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की जिम्मेदारी होगी कि वे सीखी हुई बातों को समुदाय स्तर पर ले जाएँ और फोर्टिफाइड चावल के उपभोग को बढ़ावा देने तथा मिथकों को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक करें।

कार्यशाला में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की प्रमुख डॉ. सारिका यूनुस ने विभिन्न राज्यों के सफल केस स्टडी की जानकारी दी। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञो की पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें फोर्टिफाइड चावल से जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों पर चर्चा की।

हरित कौशल विकास : आदिवासी युवाओं से जैव विविधता संरक्षण को नई दिशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड आदिवासी क्षेत्रों के युवाओं को कौशल विकास से जोड़कर जैव-विविधता संरक्षण को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी उद्देश्य से बोर्ड ने वन मंत्री श्री केदार कश्यप की पहल पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से हरित कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया है। यह विशेष प्रशिक्षण इसलिए तैयार किया गया है ताकि जंगलों में रहने वाले युवाओं को जैव विविधता संरक्षण से जुड़ी जानकारी, व्यवहारिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिल सकें।

आदिवासी युवाओं को कौशल और रोजगार उपलब्ध कराने जैव विविधता संरक्षण बन रहा है सशक्त माध्यम

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार का यह प्रयास आदिवासी युवाओं को कौशल, ज्ञान और रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण को भी सशक्त बना रहा है। गौरतलब है कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आजीविका के नए अवसर प्रदान करना, पर्यावरण मित्र करियर की ओर प्रेरित करना तथा उन्हें स्थानीय संसाधनों के संरक्षण में सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण में युवाओं को राष्ट्रीय उद्यान गाइड, पर्यटक गाइड, प्राकृतिक इतिहास प्रदर्शक, वन संसाधन सहायक, पारंपरिक वन संरक्षण तकनीकों, और वन आधारित आजीविका से जुड़े विभिन्न कौशल सिखाए गए।

105 युवाओं ने प्रथम चरण में दिया गया प्रशिक्षण

इसी कड़ी में राज्य के जांजगीर, कटघोरा, कोरबा, जगदलपुर, बीजापुर, सुकमा आदि कई जिले से कुल 105 युवाओं ने प्रथम चरण में भाग लिया। प्रशिक्षण 10 से 30 दिनों तक चला और इसमें युवाओं को बिना किसी शुल्क के फील्ड भ्रमण, जैव विविधता पहचान, पारिस्थितिक संवेदनशीलता, वन संपदा का संरक्षण, औषधीय पौधों की पहचान और दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों का ज्ञान दिया गया। विशेष रूप से आकांक्षी सुकमा जिले के 65 युवाओं ने जंगलों में पाए जाने वाले 153 प्रजातियों के पौधों और 47 पक्षी प्रजातियों की पहचान की। वन विभाग के विशेषज्ञों ने उन्हें हर्बेरियम बनाने, जैव-विविधता सर्वे तथा उपकरणों के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग यह भी है कि युवाओं को वैज्ञानिक तरीके से परंपरागत ज्ञान का संरक्षण करना सिखाया जा रहा है।

शासन की नीतियों एवं पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था ने किसानों के चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

किसान चेतन पटेल ने 76 क्विंटल धान बेचा, प्राप्त राशि से चुकायेंगे ट्रैक्टर की किश्त

रायपुर। धान खरीदी को लेकर शासन की नीतियों और केंद्रों में पारदर्शी और सुदृढ़ प्रबंधन आधारित व्यवस्थाओं और बिक्री के बाद समय पर भुगतान सुनिश्चित होने से किसानों में धान खरीदी को लेकर काफी उत्साह है। कबीरधाम जिले के ग्राम बाघुटोला के किसान श्री चेतन पटेल द्वारा इस वर्ष 76 क्विंटल धान बेचा गया। श्री पटेल ने बताया कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था के कारण अब न तो समिति में लंबी कतारों में लगना पड़ता है और न ही बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत होती है। मिनटों में ऑनलाइन टोकन प्राप्त होने से धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया सुगम और परेशानी मुक्त हो गई है। श्री पटेल ने बताया कि धान खरीदी से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने ट्रैक्टर की लगभग 80 हजार रुपये की ईएमआई के भुगतान मं करेंगे, यह उनके लिए बड़ी आर्थिक राहत होगी।

श्री चेतन पटेल बताते हैं कि वे कुल 5 एकड़ भूमि में कृषि कार्य करते हैं और उनका परिवार पूर्ण रूप से कृषि पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि प्रति क्विंटल 31 सौ रूपये और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी सीमा तथा समय पर भुगतान जैसी शासन की नीतियों ने किसानों को मजबूत आर्थिक आधार प्रदान किया है। श्री पटेल ने शासन की किसान हितैषी नीतियों और खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य मिल जाए यह उनके लिए सबसे बड़ी सुविधा है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी में सड़क एवं पुलिया निर्माण का किया औचक निरीक्षण

गुणवत्ता पर नाराजगी, पुनः निर्माण और कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के धरसेड़ी-करीं-कुप्पी मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़क और पुलिया का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नव-निर्मित सड़क की गुणवत्ता, सामग्री के उपयोग तथा संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि सड़क के कई हिस्सों में निर्माण मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया है और कार्य अभी भी अधूरा है। इस पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को पूरे मार्ग का पुनः निर्माण मानक गुणवत्ता के साथ कराने तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें आमजन की जीवनरेखा हैं, जिस पर आवागमन, एम्बुलेंस सुविधा, बच्चों की स्कूल पहुँच और आवश्यक सेवाओं की निर्भरता होती है। इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, ओड़गी क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से महासमुंद जिले में अब तक लगभग पौने दो लाख मरीजों का इलाज

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से जनता हो रही लाभान्वित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व तथा उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। योजना का मुख्य लक्ष्य शहरी स्लम क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में नगर पालिका परिषद महासमुंद के विभिन्न वार्डों में नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अशोक सलामे की देखरेख में शिविरों का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है।

प्रोजेक्ट मैनेजर धर्मेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि महासमुंद जिले के शहरी क्षेत्रों में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक लगभग पौने दो लाख मरीजों का इलाज किया जा चुका है। इनमें से 50 हजार से अधिक नागरिकों के मुफ्त लैब टेस्ट कराए गए हैं तथा डेढ़ लाख से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं। शिविरों में डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स और प्रशिक्षित लैब टेक्नीशियन की टीम द्वारा मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श और जांच की सुविधा दी जाती है।

योजना के अंतर्गत 170 प्रकार की आवश्यक दवाइयां तथा 41 प्रकार की लैब जांच पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके साथ ही नगर के सफाई मित्रों के लिए भी प्रति माह नियमित स्वास्थ्य जांच की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे उनके स्वास्थ्य संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत मोबाइल चिकित्सा दल शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर नागरिकों को उनके घर के पास ही उच्चतम स्वास्थ्य परामर्श, जांच और दवाइयों की सुविधा प्रदान कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने सरकार प्रतिबद्ध : सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ 25 साल बेमिसाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की स्वर्णिम विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बस्तर सहित पूरे प्रदेश में विकास में बाधक नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में किए जा रहे प्रयासों से नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर अपने मूल स्वरूप में भयमुक्त होकर प्रदेश के विकास में बेहतर भागीदारी देगा। श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से बस्तर की संस्कृति और प्रतिभा को दुनिया ने देखा है। बस्तर में शांति, समृद्धि और खुशहाली के नए युग का आरंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पूरी दृढ़ता से लागू है। पूर्व में जो अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुए, उस पर कड़ा प्रहार किया गया है, जिसका परिणाम भी सभी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने भूखमरी जैसे अभिशाप को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए थे, जिसके तहत गरीब परिवारों को अनाज उपलब्ध कराया गया। साथ ही, जरूरतमंद परिवारों को आज आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लगभग सभी गारंटियों को पूरा कर दिया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण 'चरण पादुका योजना' को भी पुनः प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने नई उद्योग नीति के आकर्षक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अब तक राज्य सरकार को पौने आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिससे आने वाले वर्षों में रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी अलोक सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विधायक सोनी को डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश

रायपुर। रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश की। दो दिन पहले उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आईबी का अधिकारी बताया और दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर का उपयोग कश्मीर में हुई आतंकवादी घटना में हुआ है। विधायक ने बताया कि कॉल सुनकर वह पहले घबरा गए। बाद में उन्हें संदेह हुआ कि यह साइबर ठगी का प्रयास हो सकता है। उन्होंने तुरंत कॉल बंद किया और मामले की जानकारी एसएसपी और साइबर क्राइम सेल को दी। पुलिस उस नंबर की जांच कर रही है, जिससे कॉल आया था। घटना के बाद कांग्रेस ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह घटना दिखाती है कि अपराधी कितने बेखौफहैं। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी इसे गंभीर मुद्दा बताया और चिंता व्यक्त की।

छत्तीसगढ़ कलार (सिन्हा) समाज का भव्य सामाजिक मिलन समारोह 23 नवंबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ कलार समाज, पश्चिम परिछेत्र रामनगर, गुढ़ियारी मण्डल द्वारा वार्षिक सामाजिक मिलन एवं सम्मान समारोह 23 नवंबर 2025, रविवार को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 8:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक, खमतराई बाजार गुढ़ियारी में होगा। मीडिया प्रभारी रामप्रसाद जायसवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम रखे गए हैं। समाज की एकता, विकास और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में कला प्रदर्शनी, अतिथियों का स्वागत, बुजुर्गों का सम्मान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव माननीय श्री भूपेश बघेल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में श्री युवराज सिन्हा, प्रदेशाध्यक्ष कलार समाज श्रीमती संगीता सिन्हा, विधायक संजरी बालोद , श्री राजेश मृणात , विधायक रायपुर पश्चिम , श्री सुशील सन्नी अग्रवाल, पूर्व अधयक्ष आयोग, श्री राजेन्द सिन्हा अधयक्ष रायपुर कलार समाज श्री गजेंद्र साहू, जोन अध्यक्ष समाज के संरक्षक एवं पदाधिकारियों नंदू सिन्हा प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच , डॉ.पुरषोत्तम जायसवाल अधयक्ष राम नगर मंडल , चंद्रिका सिन्हा, भुवन सिन्हा, गजानंद सिन्हा, भागवत सिन्हा, सुरेंद्र सिन्हा, सुशील सिन्हा, कुंदन सिन्हा, अजय सिन्हा—की सक्रिय भूमिका में कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। समाज के बड़ी संख्या में समाजजन इस आयोजन में शामिल होंगे। आयोजकों ने समाज के सभी सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कर समाज की एकता और प्रगति को सशक्त बनाने की अपील की है।

संपादकीय

कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज मुनीर

नए संशोधन के तहत फील्ड मार्शल असीम मुनीर कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज बन कर सेना के सभी अंगों के प्रमुख बन जाएंगे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से अपनी पहल पर मामलों का संज्ञान लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा। पाकिस्तान में संविधान संशोधन के जरिए सत्ता का नया ढांचा कायम कर दिया गया है। या इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि वहां जो ढांचा व्यवहार में चल रहा था, उसे अब औपचारिक रूप दे दिया गया है। यानी देश में वास्तविक सत्ता निर्वाचित सरकार के हाथ में होने का नकाब उतार फेंका गया है। वैसे हकीकत यही है कि अप्रैल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद से असल सत्ता सेना के हाथ में रही है, जिसने शहबाज शरीफ सरकार को अपना 'लोकतांत्रिक मुखौटा' बना रखा है। इमरान खान की सरकार हटाई ही इसलिए गई, क्योंकि उसने संप्रभु अधिकार खुद में होने का भ्रम पाला था। मगर तब सेना को नकाब की जरूरत पड़ी, क्योंकि खान की सरकार को गिराने के क्रम में वह देश में अभूतपूर्व रूप से अलोकप्रिय हो गई। बहरहाल, इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान में बुनयान- अल-मरसूस) के दौरान पाकिस्तानी सेना देश के अंदर अपनी कथित जीत का नैरेटिव बनाने में कामयाब रही। तब से उसका आकलन है कि अब सत्ता पर औपचारिक नियंत्रण बना लेने का सही वक्त है। उस सैन्य कार्रवाई के तुरंत बाद सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने खुद को फील्ड मार्शल बनवाया था। अब नए संशोधन के तहत वे कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज बन कर सेना के सभी अंगों के प्रमुख बन जाएंगे। इसके साथ ही संवैधानिक मामलों के लिए अलग से न्यायालय का गठन होगा, जबकि वर्तमान सुप्रीम कोर्ट से अपनी पहल पर मामलों का संज्ञान लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा। पाकिस्तान के सत्ता तंत्र में हमेशा, कम-से-कम रक्षा एवं विदेश नीति संबंधी मामलों में, सेना के पास निर्णायक अधिकार रहे हैं। देशी मामलों में भी उसके आर्थिक एवं अन्य हित व्यवहार में सरकार और न्यायपालिका की पहुंच से बाहर रहे हैं। फिर भी कभी-कभार अदालतें सेना नेतृत्व की मर्जी के खिलाफ जाकर कुछ मामलों का संज्ञान ले लेती थीं। इमरान खान सरकार ने नीतिगत मामले अपने हाथ में लेने की कोशिश की थी। फील्ड मार्शल मुनीर ने अब ऐसी संभावनाओं पर विराम लगवा दिया है।

क्या राहुल गांधी अपने पूर्वजों की लेगसी सम्हालने में सक्षम हैं ?

अजय दीक्षित

कांग्रेस 2014 अब तक तीन आम चुनाव 2014,2019,2024, और लगभग 81 राज्यों के विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी के नेतृत्व में हार चुकी है। 2004 से संसद सदस्य, अविवाहित , गांधी , नेहरू परिवार के बारिस, 52 वर्षीय राहुल गांधी इस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं । उनके पिता के मित्र सैम पित्रोदा कहते हैं कि राहुल गांधी में असीमित क्षमता है लेकिन माध्यम नहीं है। हिंदुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर कहते हैं कि वह इतने चुनाव हारने के बाद भी राजनीतिक मैदान में डटे हुए हैं। जबकि प्रशांत किशोर कहते हैं कि राहुल एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ परिवार उन्हें अपरिपक्व व्यक्ति मानता है जिसे कांस्टेबल की योग्यता होने के बाबजूद आईएएस की परीक्षा में बिठाया जा रहा है। लेकिन यह सत्य है कि आज के दिनांक में कांग्रेस के पास उनका कोई विशेष विकल्प नहीं है। बिहार विधानसभा चुनावों में प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का राहुल गांधी के कारण एक विभाजन हो सकता है। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां जैसे राजद, तुड़मूल कांग्रेस, डीएमके,आप, समाजवादी पार्टी, और कांग्रेस के अंदर कई वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के फैसलों से हड़प्रभ हो जाते हैं और तो और उनकी बहन , प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे भी कभी कभी असहज हो जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक फैसला तो उन्होंने कागज फाड़ कर बापिस करा दिया था। उनके पर नाना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू,एक संपूर्ण राजनेता थे और आजादी के पहले और बाद में भारत के नीत निर्धारक, निर्माता,रहे ।राहुल गांधी की दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी,पिता राजीव गांधी देश के वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे पूरा कुनवा 43 वर्ष प्रधानमंत्री रहा है और राहुल गांधी भी 2009 में ही प्रधानमंत्री बन सकते थे अगर उनकी मां सोनिया गांधी का सोच राजनीतिक होता तो। कांग्रेस अध्यक्ष पद की बात करें तो जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू 1925,1929,1931, में कांग्रेस अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। जवाहर लाल नेहरू तो आजन्म ,दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी 17 वर्ष, राजीव गांधी 10 वर्ष, मां सोनिया गांधी 17 वर्ष और वे स्वयं भी अध्यक्ष पद पर आसीन रहे।कुल मिलाकर राहुल गांधी की लेंगेसी बहुत बड़ी है। लेकिन राहुल गांधी अब तक ऐसी दशा उत्पन्न नहीं कर पाए है कि उन्हें गांधी नेहरू परिवार का राजनीतिक बारिस माना जा सके अब तक वे बायोलॉजिकल बारिस ही हैं। हालांकि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है फिर भी राजनीतिक कुनबे हैं जिनमें डीएमके के स्टालिन, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव, प्रमुख है। लेकिन राहुल गांधी पर बहुत बड़ी लीगेसी है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है 880 मिलियन वोटर है पूरे देश में वे विभिन्न धर्मों, सम्प्रदाय, क्षेत्रों के है । संस्कृति भी भिन्न है और प्रत्येक 200 किलोमीटर से भाषा, बोली, रहन सहन बदल जाता है। ऐसे में पूरे देश में राष्ट्रीय स्तर तक राजनेता होना बड़ी मुश्किल का काम है। राहुल गांधी के पर नाना जवाहरलाल नेहरू को पूरे देश में यह मुकाम हासिल हुआ वे दक्षिण भारत में भी लोकप्रिय थे और पूर्वोत्तर राज्यों में भी उनकी लोकप्रियता थी हिंदी पट्टी में भी समान रूप लोकप्रिय थे उनके बाद राहुल गांधी की दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी भी अपने पिता की भांति लोकप्रिय थी ।कुछ हद राजीव गांधी भी लोकप्रिय रहे। लेकिन राहुल गांधी इस श्रृंखला के सबसे कमजोर कड़ी है। वे कांग्रेस को एक भी बार सत्ता में नहीं ला सके है । आज के समय वे लोकसभा चुनावों में 200 सीट भी कांग्रेस को दिलवा दे तो प्रधानमंत्री बन सकते हैं लेकिन अभी उनके लिए दिल्ली दूर ही है । राज्यों में कांग्रेस सरकार नहीं है क्योंकि राहुल गांधी में वे जादू नहीं हैं जो कभी इंदिरा गांधी में हुआ करते थे।

आतंकवाद का नया चेहरा बेहद घातक है

राजेश कुमार पासी

10 नवंबर को दिल्ली में हुए बम विस्फोट ने पूरे देश को आतंकित किया है क्योंकि ये देश आतंकवादी हमलों को लगभग भुला चुका था । जम्मू-कश्मीर के बाहर आतंकवादी पूरी कोशिश के बाद भी हमले करने में असफल हो रहे थे लेकिन 11 साल बाद आतंकवादियों को देश की राजधानी दिल्ली में आतंकवादी हमला करने में सफलता मिल गयी । 2014 से पहले भारतीयों को आतंकवादी हमलों का डर सताता रहता था लेकिन मोदी सरकार इन हमलों पर लगाम लगाने में सफल रही है । देश यह मानने लगा था कि अब आतंकवादी हमले सिर्फ जम्मू-कश्मीर में ही होते हैं । यही कारण है कि जब सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद से विस्फोटक बरामद किए तो कहा गया कि ये तो खाद बनाने में इस्तेमाल होने वाला पदार्थ है । मोदी विरोधी लोगों ने यह भी विमर्श चलाने की कोशिश की कि यह मुस्लिमों को सताने का एक नया तरीका है । इस आतंकवादी मॉड्यूल में डॉक्टर पकड़े गए थे, इसलिए भी सरकार को निशाना बनाया जा रहा था । जब दिल्ली में इसी मॉड्यूल ने आतंकवादी हमला कर दिया तो देश को पता चला कि विस्फोटक खाद बनाने के लिए नहीं थे । ये भी अजीब बात है कि डॉक्टर खाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले पदार्थों का क्यों संग्रह कर रहे थे, इसका भी विचार नहीं किया जा रहा था ।

आतंकवादी हमले को लेकर सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, लेकिन कोई यह सोचने को तैयार नहीं है कि उनकी सतर्कता के कारण ही हजारों लोगों की जान बच गई है । आतंकवादियों की तैयारी तो हजारों लोगों की जान लेने की थी लेकिन समय रहते सुरक्षा एजेंसियों ने साजिश का खुलासा कर दिया । गुजरात में राईसिन के जहर से लाखों लोगों को मारने की साजिश की जा रही थी, उसे भी हमारी गुप्तचर एजेंसियां नाकामयाब करने में सफल रही हैं । बेहद घातक इस जहर को अगर सार्वजनिक जल सप्लाई में मिला दिया जाता तो हजारों लोगों की जान जाने के बाद साजिश का पता चलता । फरीदाबाद में पकड़े गए विस्फोटकों से 50 से ज्यादा बड़े बम धमाके किए जा सकते थे । देखा जाए तो सुरक्षा एजेंसियों ने देशहित में बड़ा काम किया है लेकिन उनकी आलोचना हो रही है क्योंकि आतंकवादी एक हमला करने में सफल हो गए हैं । यही सुरक्षा एजेंसियों की सबसे बड़ी समस्या है कि उन्हें हर बार सफल होना पड़ता है लेकिन आतंकवादियों को सिर्फएक मौका चाहिए होता है । ये मौका उन्हें दिल्ली में मिल गया लेकिन एक सच यह है कि सुरक्षा बलों के दबाव के कारण ये हमला जल्दबाजी में किया गया था।

इस आतंकवादी साजिश में डॉक्टर जैसे सम्मानित पेशे में काम करने वाले लोग शामिल है, इसलिए सुरक्षा बलों की समस्या को समझने की जरूरत है । अगर इन पर हाथ डालने के बाद पुलिस को कुछ नहीं मिलता तो पूरे देश के मुस्लिम, वामपंथी और सेकुलर बुद्धिजीवी उसके पीछे पड़ जाते । हमें अपनी पुलिस व्यवस्था की तारीफकरनी चाहिए कि उसकी सतर्कता के कारण हजारो लोग अपने परिवार के साथ जिंदा हैं । पूरा विपक्ष और उसका इको सिस्टम वर्षों से यह नैरेटिव चला रहा है कि गरीबी और अनपढ़ता के कारण मुस्लिम समाज के युवा आतंकवादी बनते हैं ।

बेरोजगारी को भी इसका बड़ा कारण माना जाता है लेकिन ये नैरेटिव चलाने वाले लोग भूल जाते हैं कि यह समस्या तो गैर-मुस्लिम समाज के युवाओं के लिए भी परेशानी का सबब है । इसका जवाब उनके पास नहीं है कि इन समस्याओं के कारण सिर्फ मुस्लिम समाज के युवा ही क्यों आतंकवाद के रास्ते पर जाते हैं । अब भारत में नया आतंकवाद सिर उठा रहा है जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक और दूसरे उच्च-शिक्षित लोग शामिल हैं । इन लोगों ने आतंकवादी बनकर बता दिया है कि वास्तविक समस्या से ध्यान हटाया जा रहा है । वास्तव में आतंकवाद के लिए इस्लाम और उसकी कट्टरवादी विचारधारा जिम्मेदार है जो कि आत्मघाती हमलावर डॉक्टर उमर के वीडियो से भी साबित होती है । इस्लामिक कट्टरता आतंकवादी बनने की पहली सीढ़ी है, इसके बाद ही आतंकवाद का रास्ता शुरू होता है। मुस्लिम समाज की जिम्मेदारी है कि वो इस कट्टरता के खिलाफ खड़ा हो। समस्या यह है कि मुस्लिम समाज विपरीत दिशा में जा रहा है, वो आतंकवादियो और आतंकवाद का बचाव कर रहा है। समस्या से भागने से कुछ नहीं होता, उसका समाधान करने की जरूरत है। दिल्ली बम विस्फोट में तीन मुस्लिम भी मारे गए हैं क्योंकि बम को नहीं पता कि मरने वाले का धर्म क्या है। आतंकवादी दीवाली, राममंदिर और काशी विश्वनाथ को निशाना बनाना चाहते थे। अगर वो कामयाब हो जाते तो देश में कैसी आग लगती, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। अगर विपक्ष और मुस्लिम समाज चाहता है कि देश में शांति और भाईचारा बना रहे तो आतंकवाद की जड़ को खत्म करने में देश की मदद करे। दिल्ली में आत्मघाती हमला करके विस्फोट करने वाले आतंकवादी डॉ उमर ने एक वीडियो बनाया था, जो कि अब सामने आ गया है। हमारे देश के सेक्युलर और वामपंथी बुद्धिजीवी आतंकवाद और आतंकवादियों का मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी ज्यादा बचाव करते हैं । डॉक्टर उमर ने वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा है कि वो इस्लाम के लिए जान दे रहा है क्योंकि जिहाद में जान देना इस्लाम में जन्नत जाने का रास्ता है। उसने कहीं नहीं कहा कि वो गरीबी, बेरोजगारी या अत्याचार के कारण जान दे रहा है। उसने कोशिश की, कि उसके हमले में ज्यादा से ज्यादा लोग मारे जाएं। उसने इस्लाम के लिए जान दी है और लोगों की जान ली है । डॉ उमर का वीडियो बड़े खतरे की ओर इशारा करता है जिसे पूरे देश को समझना होगा कि एक उच्च-शिक्षित व्यक्ति भी कैसे आतंकवाद के रास्ते पर जा सकता है । ऐसे व्यक्ति को समझाया भी नहीं जा सकता क्योंकि उसने अपनी एक समझ पैदा की है जिसे मिटाना बहुत मुश्किल होता है । वो अपने वीडियो में न केवल आतंकवादी हमले को जायज ठहरा रहा है बल्कि यह भी कह रहा है कि यह हमला इस्लामी मान्यताओं के अनुसार सही है । वो आत्मघाती हमलों को गैर-इस्लामी घोषित करने को गलत करार दे रहा है । क्या हम नहीं जानते हैं कि दुनिया भर में आतंकवादी संगठन आत्मघाती हमलों को जायज बताते हैं और इसे जिहाद से जोड़ते हैं । यही कारण है कि पूरी दुनिया में आत्मघाती हमले बढ़ते जा रहे हैं । भारत में आत्मघाती हमले बहुत कम हुए हैं, लेकिन अब जो आतंकी मॉड्यूल पकड़े जा रहे हैं, उनका इरादा कई आत्मघाती हमलों का अंजाम देने का था । इसके लिए वो ऐसे लोगों की भर्ती कर रहे थे जिन्हें आत्मघाती हमले के लिए तैयार किया जा सके । जो मुस्लिम संगठन और विद्वान आतंकवाद के खिलाफ काम कर रहे हैं, उनके लिए बड़ी मुश्किल खड़ी होने वाली है क्योंकि अब उच्च-शिक्षित युवा आतंकवादी बन रहे हैं । अब यह भी नहीं कहा जा सकता कि ये भटके हुए नौजवान हैं । कम पढ़े-लिखे युवाओं को समझाना फिर भी संभव है लेकिन उच्च-शिक्षित युवाओं को समझाना मौलानाओं के लिए भी आसान नहीं होगा । वो इस्लाम को अच्छी तरह समझते हैं और उन्होंने अपनी एक मान्यता बना ली है, इसलिए इन्हें सही रास्ते पर लाना लगभग असंभव काम है । ऐसे लोग न केवल खुद आतंकवादी बनते हैं बल्कि बहुत जल्दी अपने साथ और लोगों को भी जोड़ने में सफल हो जाते हैं । इनका मुकाबला करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए आसान नहीं होने वाला है क्योंकि ऐसे लोग समाज में ऐसे घुले-मिले होते हैं कि इन पर संदेह करना भी मुश्किल होता है । अगर श्रीनगर पुलिस ने अपने इलाके में लगे पोस्टरों को गंभीरता से नहीं लिया होता तो ये आतंकी मॉड्यूल पकड़े नहीं जाते । इनका पता तब चलता जब ये अपनी साजिश को सफल करने में कामयाब हो जाते । ऐसे पोस्टर जम्मू-कश्मीर में लगाना आम बात है, इसके बावजूद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और इसमें शामिल लोगों को ढूंढने की कोशिश की जिसके कारण एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हो गया । पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिल्ली हमले ने बता दिया है कि ऐसे हमलों में स्थानीय लोगों की मदद शामिल होती है । पहलगाम में आतंकियों को स्थानीय लोगों ने मदद दी थी, जिसके कारण वो हमला करने में सफल रहे और ऐसे ही डॉ उमर को कई लोगों ने मदद दी है, जिसके कारण वो दिल्ली को दहलाने में सफल रहा । सरकार को आतंकियों के मददगारों के साथ भी आतंकियों वाला व्यवहार करना चाहिए । आतंकवादियों और उसके मददगारों की एक ही सजा होनी चाहिए ।

डॉक्टर आतंकियों को फरीदाबाद में विस्फोटक जमा करने में इसलिए सफलता मिली क्योंकि उन्हें स्थानीय लोगों की मदद मिली थी । अल फलाह यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं पर भी नजर रखनी होगी जो आतंकियों का अड्डा बन चुकी थी । इसके संचालको को बताना चाहिए कि उन्होंने अपने संस्थान को आतंकियों का अड्डा क्यों बनने दिया । अपने संस्थान में ऐसे डॉक्टर क्यों नियुक्त किए जो कि संदिग्ध थे । फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में मौलवी भी शामिल पाए गए हैं जो कि आतंक का पाठ पढ़ा रहे थे । ऐसे लोगों के निटपना बेहद मुश्किल होने वाला है क्योंकि ये लोग दीन-ईमान की शिक्षा देने के साथ-साथ जिहादी आतंक का पाठ भी पढ़ाने लग जाते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता । इस मॉड्यूल के पकड़े जाने के बाद पता चलता है कि हमारी सरकार और सुरक्षा बलों के लिए इन लोगों से निपटना बहुत मुश्किल होने वाला है । उच्च-शिक्षित मुस्लिम युवाओं की छानबीन करने पर विक्टिम कार्ड खेला जाएगा कि सरकार मुस्लिम समाज को परेशान कर रही है । नए आतंकवाद ने कश्मीर और शेष भारत में अलगाव पैदा कर दिया है । आतंकवादी साजिश में शामिल लोगों का संबंध कश्मीर से निकल रहा है, इसलिए शेष भारत के लोग अब कश्मीरियों को संदेह की नजर से देखेंगे । पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में सैलानियों का जाना बहुत कम हो गया है। दिल्ली हमले के बाद अब इसमें सुधार की संभावना बहुत कम रह गई है। कश्मीरियों को खुद से सवाल पूछना चाहिए कि शेष भारत के लोग उन पर विश्वास कैसे करें। एक तरफ केंद्र सरकार कश्मीर के विकास के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है तो दूसरी तरफ कश्मीरी युवा आतंकवाद के रास्ते पर जा रहे हैं। अजीब बात है कि फारूक अब्दुल्ला पूछ रहे हैं कि ये लोग इस रास्ते पर क्यों जा रहे हैं । अभी उनके बेटे उमर अब्दुल्ला कश्मीर का मुख्यमंत्री हैं. इससे पहले फारूक अब्दुल्ला कई बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके राज में ही पांच लाख कश्मीरी पंडितों को डरा धमका कर कश्मीर घाटी से भगा दिया गया था। उन्हें पूछने की जगह देश को बताना चाहिए कि क्यों उनके राज्य के युवा आतंकवाद के रास्ते पर जा रहे हैं। आतंकवाद के कारण देश के धार्मिक सद्भाव के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। आतंकवाद का नया रूप देश की एकता और अखंडता के लिए बड़ा खतरा बनकर आया है, इसे हमें गंभीरता से लेना होगा। इसे हम सरकार के भरोसे नहीं छोड़ सकते, वो तो अपना काम कर रही है। एक समाज के रूप में हमें भी इस पर विचार करना होगा कि आतंकवादी क्यों पैदा हो रहे हैं । क्यों उच्च शिक्षित युवा कट्टरता की ओर जा रहे हैं और आत्मघाती हमलावर बन रहे हैं। आतंकवाद और आतंकवादियों का समर्थन और बचाव करने वालों की पहचान करके उन्हें भी सजा देने का इंतजाम करना होगा।

भारत की श्रम संहिताएं और महिला श्रमिक: अपेक्षाकृत अधिक समावेशी और लैंगिक रूप से संवेदनशील अर्थव्यवस्था की ओर

श्रीमती उमा मेय्यप्पन

वैश्विक स्तर पर बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच, भारत की नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन घरेलू लचीलेपन को मजबूत करने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना न केवल मैन्यूफैक्करिंग या तकनीकी क्षमता का विस्तार, बल्कि समावेशी एवं सुदृढ़ संस्थानों के निर्माण पर भी निर्भर करेगा। सच्ची आत्मनिर्भरता एक ऐसी अर्थव्यवस्था के निर्माण में निहित है जहां प्रत्येक नागरिक, विशेषकर महिलाएं, देश की विकास गाथा में सार्थक रूप से भाग ले सकें।

भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 22.0 प्रतिशत से बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया है। जबकि, इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। ये आंकड़े श्रम बाजार में भागीदारी के मामले में व्याप्त लैंगिक अंतर में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाते हैं तथा व्यापक आर्थिक समावेशन की दिशा में सकारात्मक बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं। फिर भी, महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा श्रमबल से बाहर है और जो महिलाएं कार्यरत हैं भी, उनमें से कई उन अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं जहां उन्हें कम वेतन, नौकरी की सीमित सुरक्षा और न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। कृषि एवं घरेलू काम से लेकर घर-आधारित उद्यमों और गिग प्लेटफॉर्म तक, अनौपचारिक रोजगार अक्सर नाजुक आर्थिक स्थिति और असमानता को मजबूत करता है।

इस संदर्भ में, भारत के श्रम कानूनों को हाल ही में चार व्यापक संहिताओं में संहिताबद्ध किया जाना इन कमियों को दूर करने का एक अनूठा मौका है। औपचारिकीकरण, संरक्षण और समान पहुंच पर ध्यान केन्द्रित करके, इन सुधारों का उद्देश्य अपेक्षाकृत अधिक समावेशी और सुदृढ़ श्रम बाजार की नींव रखना है। इस प्रयास में भारत अकेला नहीं है। वियतनाम, इंडोनेशिया, मिस्र और मैक्सिको सहित कई विकासशील देशों ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इनमें मातृत्व संबंधी लाभ का विस्तार करना तथा स्वैच्छिक सहमति, सुरक्षित परिवहन, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, महिला पर्यवेक्षण एवं उत्पीड़न-विरोधी ठोस सुरक्षा जैसे सुरक्षात्मक उपायों के तहत महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देना शामिल है। ऐसे उपाय सिर्फ रोजगार को ही संभव बनाने से जुड़े नहीं हैं, बल्कि इनका जुड़ाव महिलाओं की गरिमा, स्वायत्तता और आर्थिक प्रगति में समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करने से भी है।

अब जबकि भारत आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है, एक सच्ची समावेशी एवं न्यायसंगत अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए महिलाओं को नीति और श्रम सुधार के केन्द्र में रखना अहम होगा। इन संहिताओं में निहित अनेक प्रावधानों में से कई, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी एवं सशक्तिकरण की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य कार्यस्थलों को अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, अधिक लचीला और अधिक न्यायसंगत बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं पुरुषों के साथ समान स्तर पर अर्थव्यवस्था में भाग लें और उसका लाभ उठा सकें।

वेतन और कामकाज की स्थितियों में लिंग-आधारित भेदभाव की समाप्ति - भारत के श्रम सुधार, विशेष रूप से वेतन संहिता (2019) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 का उद्देश्य वेतन तथा कामकाज की स्थितियों में लंबे समय से चले आ रहे और श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी को सीधे प्रभावित करने वाले लिंग-आधारित भेदभाव से निपटना है।

वेतन संहिता (2019) भर्ती और वेतन में लिंग-आधारित भेदभाव को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करके समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संहिता संगठित और असंगठित, दोनों क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन कवरेज को सार्वभौमिक बनाती है। यह प्रावधान कम वेतन वाले अनौपचारिक पेशों में कार्यरत महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन्हें एक बुनियादी स्तर की आय संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय फ्लोर वेज ढांचे की शुरुआत उचित वेतन के लिए मोल-भाव करने की महिला श्रमिकों की क्षमता को मजबूत करती है और साथ ही वेतन के स्तरों में क्षेत्रीय असमानताओं को भी कम करती है। यह लैंगिक आधार पर वेतन में व्यापक अंतर को दूर करने और सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आय संबंधी सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके समानांतर, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 महिलाओं को पारंपरिक रूप से नियत कामकाज के घंटों से परे काम करने की अनुमति देकर उनकी आर्थिक भागीदारी के नए अवसर खोलती है। पूर्व में 1948 के फैक्ट्री अधिनियम के तहत कारखानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली में महिलाओं को काम करने से रोकने संबंधी प्रतिबंध के उलट, इस नए संहिता का उद्देश्य कमाई की क्षमता के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं के बीच समान अवसर प्रदान करना है। इस प्रतिबंध के हटने से महिलाएं पारंपरिक रूप से पुरुषों के प्रभुत्व वाली पाली में काम कर सकेंगी। इससे अपने पुरुष समकक्षों के बराबर वेतन अर्जित करने की उनकी क्षमता बढ़ जाएगी। उदाहरण के तौर पर आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पंजाब, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, त्रिपुरा, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों ने पहले ही रात्रि पाली में महिलाओं के काम करने पर प्रतिबंध को हटा लिया है। इसके परिणामस्वरूप पुरुषों के रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव डाले बिना महिलाओं के रोजगार में वृद्धि हुई है, खासकर बड़ी व निर्यात-उन्मुख फर्मों में। इससे पता चलता है कि महिलाओं को रात्रि पाली में शामिल करने से औपचारिक क्षेत्र के रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

हालांकि रात में काम करना अनूठी, खासकर सुरक्षा से जुड़ी, चुनौतियां पेश करता है। इसे स्वीकार करते हुए, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहितायह सुनिश्चित करती है कि महिलाओं को केवल उनकी स्पष्ट सहमति से ही रात्रि पाली में नियुक्त किया जाए और सुरक्षा के पर्याप्त उपाय लागू हों। नियोक्ताओं द्वारा सुरक्षित परिवहन, अलग शौचालय और यौन उत्पीड़न रोकने के उपायों सहित सुरक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाएं प्रदान करना आवश्यक है। यह बदलाव उस पारंपरिक, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण से दूर हटने का प्रतीक है जो सुरक्षा के नाम पर महिलाओं के काम के घंटों को सीमित करता था। इसके बजाय, यह कदम महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देने वाले ढांचे के भीतर विकल्प और स्वायत्तता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है।

महिलाओं की देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना और व्यावसायिक सुरक्षा, एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाना- श्रम बाजार में महिलाओं की कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाला एक अन्य प्रमुख कारक उन पर काम का दोहरा बोझ है। इस बोझ के तहत उन्हें वेतनभोगी काम के साथ-साथ घरेलू एवं बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बिठाना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमानों के अनुसार, 2023 में, 74.8 करोड़ लोग (15 वर्ष या उससे अधिक आयु के) देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के कारण वैश्विक श्रमबल का हिस्सा बनने में असमर्थ थे। इनमें अधिकांश महिलाएं थीं। इसके अलावा, महिलाओं के अनुकूल एक ऐसे बुनियादी ढांचे की जरूरत है जो कार्यस्थल पर लैंगिक दृष्टि से महिलाओं और पुरुषों की भिन्न भिन्न प्रकार की विशेष जरूरतों को पूरा कर सके।

सर्दियों में बच्चों की सेहत रहेगी चकाचक, खिलाएं ये सुपरफूड्स

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि बच्चों को ठंड और संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा होता है। सही आहार देकर आप उनकी इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं। आप बच्चे को स्वस्थ और एक्टिव रखने के लिए किसी विकल्प की तलाश में है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ सुपर फूड्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं। आप उनकी डाइट में इन्हें शामिल कर कर ना सिर्फ इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते हैं ब्लिक सेहत के अन्य पहलुओं को भी बेहतर बना सकते हैं।

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है, ऐसे में आप इन चीजों को खिलाकर आप उन्हें स्वस्थ और एक्टिव बना सकते हैं।

बच्चों की इम्यूनिटी कैसे मजबूत करें?

- बच्चे की डाइट में विटामिन ए और विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं,जो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इसके लिए आप बीटरूट खिला सकते हैं। इसमें विटामिन ए और सी दोनों होते हैं। गाजर, आंवला संतरा कीवी, शकरकंदी, यह सभी इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले फल हैं।
- बच्चे को नट्स और सीड्स जरूर दें। यह बेहतरीन पोषण का स्रोत होते हैं। इनमें हेल्दी फैट्स होते हैं जो ना इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं बल्कि शरीर के विकास के लिए भी जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। बादाम और अखरोट खिलाएं। इसके अलावा चिया सीड्स भी खिलाएं। इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड और फाइबर होते हैं। अगर आपके बच्चे की उम्र 3 साल से कम है तो नट्स को भिगोकर उसका छिलका उतार लें, फिर पेस्ट बनाकर डाइट में ऐड करें।
- बच्चों की डाइट में प्रोबायोटिक्स जरूर शामिल करें। इसके लिए दही केफिर फर्मेंटेड फूड्स खिलाएं, इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है। पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है।

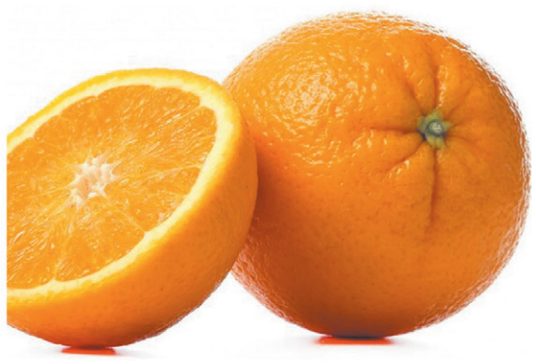

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

डायबिटीज मेलिटस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। यह दो मुख्य प्रकारों में पाया जाता है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज।

डायबिटीज एक गंभीर रोग है, यह खराब लाइफस्टाइल जीने का परिणाम होता है,यह समस्या तब होती है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता है याशरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता है, इससे शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है जिसके कारण कई तरह की दिक्कतें होने लगती है। आज इस बीमारी के बार में बच्चा बच्चा जानता है, लेकिन क्या आप डायबिटीज मेलिटस के बारे में जानते हैं। आइए जानते हैं क्या होता है डाइबिटीज मिलेटस।

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

एक्सपर्ट बताते हैं कि जब शरीर में ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है तो यह यूरिन के जरिए निकने लगता है, जब ग्लूकोज यूरिन से निकलने लगता है तो उसे कहते हैं ग्लाइकोसुरिया साथ में उसका बैलेंस करने के लिए सेल्स में से वॉटर भी एक्सरीट होता है। इससे शरीर में यूरिन का प्रोडक्शन बढ़ जाता है जिसे पॉली यूरिया के नाम से जाना जाता है। इस स्थिति में आपको बार-बार यूरिन पास करने की इच्छा होती है। यह डायबिटीज मेलिटस के लक्षण होते हैं।

कैसें करें बचाव?

- सही लाइफस्टाइल का चुनाव
- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।
- फाइबर रिच डाइट लें।
- ब्लड शुगर की निगरानी करें

कब पड़ती है इंसुलिन लेने की जरूरत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है। इसे बोलचाल की भाषा में शुगर का जाता है। डायबिटीज सब होता है जब आपका शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है या शरीर इसका उपयोग नहीं कर पाता है। डायबिटीज का कोई परमानेंट इलाज नहीं है। इसे आप सही जीवन शैली और दवाई लेकर करके कंट्रोल में कर सकते हैं। वहीं कुछ कंडीशन में मरीज को इंसुलिन भी दिया जाता है। आइए जानते हैं डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है इस बारे में हम जानकारी दे रहे हैं।

डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है?

डायबिटीज दो प्रकार की होती है। एक टाइप 1 डायबिटीज है और दूसरा टाइप 2 टाइप 1 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जब शरीर इंसुलिन का उत्पादन करना पूरी तरह से बंद कर देता है। टाइप 1 डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत होती है, क्योंकि शरीर में नेचुरल रूप से इंसुलिन का निर्माण नहीं हो पता है। यह आमतौर पर बच्चों या युवा लोगों में होता है। बता दे की इंसुलिन एक हार्मोन है जो शरीर में ग्लूकोज यानी कि शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है। अगर टाइप 2 डायबिटीज में डायबिटीज कंट्रोल नहीं हो पाता है तब भी इंसुलिन दिया जाता है।

इंसुलिन थेरेपी को आमतौर पर तब शुरू किया जाता है जब प्रारंभिक फास्टिंग प्लाजमा ग्लूकोज 250 से अधिक हो या HbAvc 10% से अधिक हो। इंसुलिन आमतौर पर तब आवश्यकता होती है जब रक्त शर्करा का स्तर 200 से ऊपर हो। हालांकि यह निर्णय डॉक्टर पर निर्भर करता है कि इंसुलिन कब शुरू करना है। डॉक्टर आपके रक्त शर्करा के स्तर,लक्षणों और अन्य स्वास्थ्य कारकों को ध्यान में रखते हुए इंसुलिन थेरेपी शुरू करने का निर्णय लेते हैं।

डाइट में शामिल करें इस हरे पत्ते का पानी, मिलेंगे ये फायदे

बथुआ का पानी आपके डाइजेशन को बढ़ाता है, शरीर को डिटॉक्स करता है और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

साग कई प्रकार के होते हैं,जिनमें से एक है सर्दियों में मिलने वाला बथुआ का साग,यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे आमतौर पर सब्जी के रूप में खाया जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि अगर आप बथुआ साग का पानी पिएं तो आपकी सेहत को कितना लाभ होगा? आइए समझते हैं बथुआ साग का पानी पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

बथुआ का पानी पीने के फायदे

- बथुआ का पानी पीने से सर्दियों में आपकी इम्यूनिटी मजबूत हो सकती है। इसमें विटामिन ए, सी, एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।
- इसमें आयरन की भरपूर मात्रा होती है, ऐसे में अगर आपको खून की कमी है तो आप इसका पानी पी सकते हैं, इससे एनीमिया में फायदा हो सकता है। खून की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है।
- बथुए का पानी पीने से एसिडिटी कब्ज की समस्या में भी फायदा मिलता है इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है।

बथुआ का पानी कैसे तैयार करें?

- इसे बनाना बहुत ही आसान है, इसके लिए आप बथुआ को 3 से 4 पानी साफ से धो लें।
- अब एक बर्तन में पानी डाल कर बथुआ को उबाल लें
- तैयार है बथुआ का पानी आप इसे गर्म या ठंडा करके पी सकते हैं।

टूटे नाखून से लेकर रूखी हथेलियों तक, इन जरूरी चीजों की कमी का संकेत दे सकते हैं आपके हाथ

जब भी हमारे शरीर में किसी न्यूट्रिएंट्स की कमी होती है या शरीर में किसी बीमारी की शुरुआत होती है, तो इसके लक्षण साफ नजर आने लगते हैं। अगर आप इन लक्षणों को समय पर पहचान लें, तो आने वाले वक्त की मुश्किलों से बचा जा सकता है। आपके हाथ भी कई जरूरी चीजों के बारे में बताते हैं। नाखूनों का जल्दी टूटना, नाखूनों का पीला होना और भी कई चीजें, शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी का संकेत देती हैं।

सेहतमंद रहने के लिए, शरीर के सभी अंगों का ठीक से काम करना और शरीर में सभी विटामिन्स, मिनरल्स और हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। जब भी हमारे शरीर में किसी बीमारी के पनपने की शुरुआत होती है या किसी जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी होती है, तो इसके कुछ लक्षण शरीर में नजर आने लगते हैं। कमजोरी महूसस होना, हमेशा थकान रहना, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें या शरीर में दर्द रहना, ये कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज करते हैं। लेकिन, असल में ये चीजे सेहत से जुड़ी जरूरी जानकारी देती हैं। हमारे नाखून और हाथ भी सेहत से जुड़े कई इशारे करते हैं, जिन्हें समझकर अगर हम अपने डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें, तो हम सेहतमंद रह पाएंगे। हमारे हाथ सेहत के बारे में क्या कुछ कहते हैं और शरीर में किन जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी का इशारा करते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

- एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आपने नाखून क्रैक हैं यानी बीच-बीच में टूटे हुए हैं, तो शरीर में विटामिन बी7 (बायोटिन), विटामिन बी12 और कैल्शियम की कमी हो सकती है। इसकी वजह से नाखून कमजोर होने लगते हैं।
- अगर आपके नाखून पीले हो रहे हैं, तो आपको इस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। पीले नाखून, शरीर में आयरन की कमी यानी एनीमिया और लिवर के ठीक तरह से काम न करने को दिखाते हैं। अगर आपके नाखून अधिक पीले हैं, तो यह पीलिया का संकेत भी हो सकता है।
- सर्दियों में हाथों में रूखापन आम बात है। लेकिन, अगर आपके हाथ हमेशा ड्राई करते हैं, तो शरीर में हार्मोनल इंबैलेंसका संकेत हो सकता है। इसका मतलब है आपके शरीर में एस्ट्रोजन की कमी हो सकती है।
- अगर आपके हाथ बहुत अधिक ठंडे रहते हैं, तो यह शरीर में खून की कमीका संकेत हो सकता है। यह हाइपोथायराइड या लो थायराइड फंक्शन का भी संकेत हो सकता है।
- अगर आपके हाथ अक्सर कांपते रहते हैं, तो यह विटामिन-बी 12 की कमी या हाइपोथायराइड का संकेत हो सकता है।
- अगर आपकी उंगलियों या हाथों के ज्वाइंट्स में दर्द होता है, तो इसके पीछे शरीर में एस्ट्रोजन या कैल्शियम की कमी हो सकती है।
- अगर आपको हथेलियों पर पीले धब्बे नजर आए, तो यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़े होने का संकेत हो सकता है। यह लिवर के ठीक से काम न करने का संकेत भी हो सकता है।
- जिन लोगों को हाथों में सुई चुभती हुई महसूस होती हैं, उनके शरीर में विटामिन-बी की कमी हो सकती है।
- अगर आपके नाखूनों पर लाइने नजर आ रही हैं, तो यह जिंक या आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। इसकी वजह से नाखूनों पर सफेद पैचेज भी नजर आ सकते हैं।

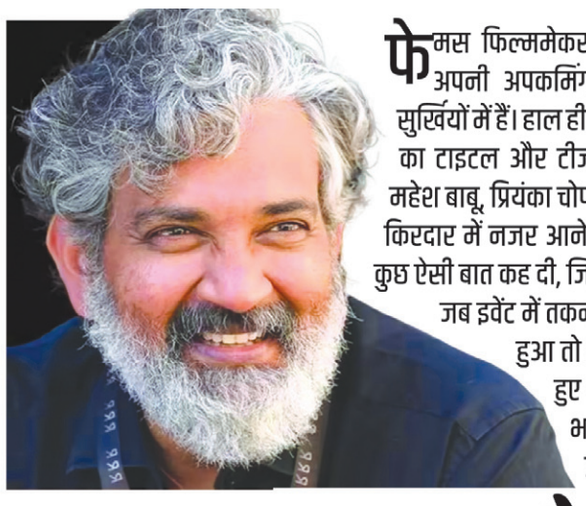

फेमस फिल्ममेकर एसएस राजामौली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में 'ग्लोब ट्रॉटर' इवेंट में इस फिल्म का टाइटल और टीजर रिलीज किया गया। फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस इवेंट में राजामौली ने कुछ ऐसी बात कह दी, जिसके बाद बवाल मच गया। दरअसल, जब इवेंट में तकनीकी खराबी के कारण टीजर प्ले नहीं हुआ तो राजामौली ने जनता से बातचीत करते हुए बताया कि कैसे उनके पिता और पत्नी भगवान हनुमान को मानते हैं। लेकिन उन्हें भगवान में यकीन नहीं है।

एसएस राजामौली की टिप्पणी पर बवाल

राजामौली ने कहा, मैं भगवान पर ज्यादा विश्वास नहीं रखता। पिताजी कहा करते थे कि जब भी मैं किसी परेशानी में रहूं, हनुमान मेरे पीछे खड़े होकर मुझे मार्ग दिखाएंगे। लेकिन जैसे ही यह गड़बड़ी हुई, मुझे बहुत गुस्सा आया। क्या ऐसे भगवान मदद करते हैं।
उन्होंने आगे कहा, मेरी पत्नी भगवान हनुमान की भक्त है। वो दोस्त की तरह उनसे बात करती है। कभी कभी मैं उसपर भी गुस्सा हो जाता हूं। जब तकनीकी दिक्कत हुई, तो वो कुछ देर के लिए पत्नी से भी नाराज हो गए थे। एसएस राजामौली के इस बयान के बाद कई लोग भड़क गए हैं। लोग उनपर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए माफी की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं राजामौली के खिलाफ शिकायत भी दर्ज हो गई है। उनके खिलाफ राष्ट्रीय वानर सेना ने राजामौली के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। वानर सेना और गौ रक्षत के प्रेसीडेंट ने अपने बयान में लिखा, राजामौली ने जानबूझकर हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया है। कार्यक्रम में, उन्होंने जानबूझकर हिंदुओं के आराध्य देवता भगवान हनुमान के खिलाफ अपमानजनक और घृणित टिप्पणी की, और जनता, मीडिया और फिल्मी हस्तियों के सामने अपमानजनक शब्दों में कहा, 'क्या वह भगवान भी हैं?' ऐसी टिप्पणियां धर्मों के बीच नफरत भड़काने के इरादे से की गई थीं। उन्होंने कहा, वह अपनी फिल्म के लिए मुफ्त प्रचार पाने और अधिक लाभ कमाने के लिए इन नफरत भरे वीडियो का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसलिए अनुरोध है कि ऐसे स्वार्थी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए जो अपने निजी लाभ के लिए सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश करते हैं।

मंच पर ऐश्वर्या ने पीएम मोदी के छूए पैर

लोग बोले इसे कहते हैं सम्मान

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और जी. किशन रेड्डी सहित कई नामी हस्तियां मौजूद थीं। इस दौरान की एक झलक सामने आई है, जिसमें पीएम मोदी और ऐश्वर्या राय एक साथ नजर आए। इतना ही नहीं ऐश्वर्या राय ने पीएम मोदी के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल गया और लोग एक्ट्रेस की जमकर तारीफ करने लगे।

जब पीएम मोदी और ऐश्वर्या का हुआ आमना-सामना सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि हस्तियों के बीच पीएम मोदी पहले से ही मंच पर बैठे हुए हैं, तभी दूसरी ओर से ऐश्वर्या राय उनके पास आती हैं और झुकर उनके पैर छूती हैं। पीएम मोदी भी हाथ जोड़कर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। दोनों का ही जेस्चर सम्मानजनक है। इसके बाद ऐश्वर्या अपनी सीट ग्रहण करती हैं। पीले सूट में दिख रहीं ऐश्वर्या राय की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि वो बॉलीवुड की सबसे समझदार और गंभीर एक्ट्रेस हैं और उन्हें इस बात की समझ है कि कहां और कैसे बर्ताव करना है। एक शख्स ने लिखा, 'ऐश्वर्या हर बार दिल जीत लेती हैं।' एक और शख्स ने लिखा, 'ऐश्वर्या राय की यही बातें उन्हें सबसे खास बनाती हैं।' एक अन्य शख्स ने लिखा, 'सिर्फ ऐश्वर्या ही नहीं बल्कि पीएम मोदी ने भी सम्मान जाहिर किया।'

बेहद मल्टी टैलेंटेड हैं तारा सुतारिया

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस तारा सुतारिया 19 नवंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। एक्ट्रेस का जन्म 1995 को एक पारसी परिवार में हुआ था। तारा एक बेहतरीन एक्ट्रेस के साथ ही बहुत अच्छी सिंगर भी हैं। उन्होंने बहुत से गानों में अपनी आवाज दी हैं।

तारा सुतारिया एक प्रशिक्षित बैले डांसर भी हैं। उन्होंने शास्त्रीय बैले, आधुनिक नृत्य और लैटिन अमेरिकी नृत्य स्कूल ऑफ क्लासिकल बैले और वेस्टर्न डांस, रॉयल एकेडमी ऑफ डांस, यूनाइटेड किंगडम और इंपीरियल सोसायटी फॉर टीचर्स ऑफ डांसिंग, यूनाइटेड किंगडम से औपचारिक प्रशिक्षण लिया है। तारा सुतारिया सात साल की उम्र से गाना गा रही हैं। उन्हें ओपेरा संगीत का भी ज्ञान है। तारा सुतारिया ने अपना करियर वीडियो जॉकी के तौर पर शुरू किया था। उन्होंने डिज्नी चैनल पर वीजे का काम किया। तारा ने लंदन, टोक्यो और मुंबई में अपने संगीत की परफॉर्मेंस भी दी है। तारा सुतारिया ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत भी छोटी उम्र से कर दी थी। उन्होंने अमेरिकी सिटकॉम 'द सूट लाइफ ऑफ जैक एंड कोडी' के हिंदी वर्जन 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' में बतौर बाल कलाकार काम किया था। इसके बाद वह 2013 में टीवी शो 'ओए जस्सी' में भी दिखीं। तारा सुतारिया ने साल 2019 में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में कदम रखा था। उसके बाद वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'मरजावां' में नजर आईं। उन्होंने तड़प और हीरोपंती 2 में भी काम किया है। तारा आखिरी बार ओटीटी फिल्म 'अपूर्वा' में नजर आई थीं। तारा हमेशा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में रहती हैं।

20 साल छोटी सारा को रणवीर सिंह ने बताया 'प्रोडिजी'

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार 18 नवंबर को रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर लॉन्च कर दिया गया। फिल्म में रणवीर के साथ सारा अर्जुन लीड रोल में नजर आएंगी, जिनकी इन दिनों हर तरफ चर्चा है। सारा अर्जुन, रणवीर सिंह से 20 साल छोटी हैं, ऐसे में जब से ये बात सामने आई है कि धुरंधर में सारा, रणवीर की हीरोइन होंगी लगातार इस पर सवाल उठ रहे हैं। अब फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन के साथ काम करने पर बात की और अभिनेत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने सारा को 'प्रोजिडी' बताते हुए ये भी कहा कि वह खुशकिस्मत हैं जो उन्हें सारा अर्जुन के साथ काम करने का मौका मिला। सारा अर्जुन, रणवीर सिंह से 20 साल छोटी हैं। ऐसे में एक्ट्रेस के साथ रोमांटिक सीन को लेकर रणवीर को ट्रोल भी किया गया। वहीं अब ट्रेलर लॉन्च के दौरान रणवीर सिंह ने सारा को 'प्रोजिडी' (विलक्षण प्रतिभा की धनी) कहा।

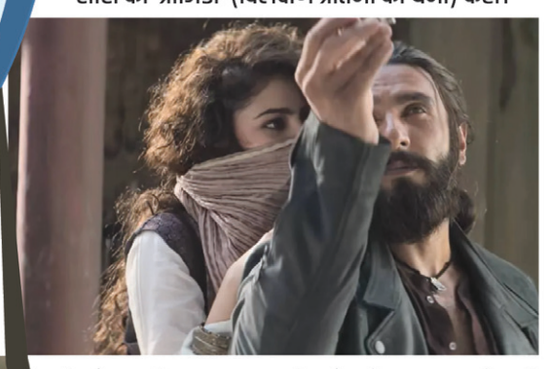

रणवीर ने कहा कि सारा कमाल की एक्ट्रेस हैं। वह अद्भुत हैं। यही नहीं, रणवीर ने सारा की तुलना हॉलीवुड एक्ट्रेस डकोटा फैनिंग से कर दी और कहा कि जब डकोटा ने एक्टिंग इंडस्ट्री में कदम रखा था, लोग उनकी प्रतिभा को नहीं समझ पाए थे।

रणवीर ने की सारा की तारीफ

रणवीर ने सारा की तारीफ करते हुए कहा- 'कुछ लोग सारा के बारे में नहीं जानते, उन्हें इस कमाल की एक्ट्रेस के बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा। सारा प्रोजिडी हैं। कुछ लोग बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी होते हैं। हॉलीवुड में जब डकोटा फैनिंग आई थीं, लोग उनकी प्रतिभा को भी नहीं समझ पाए थे। वैसे ही कुछ लोग सारा को नहीं समझ पाए हैं, लेकिन समय के साथ वह खुद को साबित करेंगी और करोड़ों दिलों पर राज करेंगी। उन्होंने हजारों कैंडिडेट्स को पीछे छोड़कर ये रोल हासिल किया है और ये एक बड़ी बात है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला।'

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ की आने वाली फिल्म 120 बहादुर का नया गाना 'मैं हूं वो धरती मां' रिलीज हो गया है। मैं हूँ वो धरती माँ, गाने को अमित त्रिवेदी ने बड़ी खूबसूरती से बनाया है, और मशहूर जावेद अख्तर ने इसके दिल छू लेने वाले बोल लिखे हैं। इस गाने को क्वीन ऑफ़ डायनामिक्स कहे जाने वाली श्रेया घोषाल ने गाया है, जो अपनी सुरीली आवाज़ में देशभक्ति और अपनी मिट्टी के प्यार को साफ महसूस करवाती हैं। फिल्म के उस भाव को ध्यान में रखते हुए,जिसमें सैनिक देश की इज़्ज़त के लिए अपनी जान देते हैं, ये गाना हर उस जवान को दिल से सलाम करता है जिसने देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए अपना जीवन दिया। फि ल्म 120 बहादुर 1962 के युद्ध में लड़ी गई मशहूर रेजांग ला की लड़ाई में भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की अद्भुत वीरता को दिखाती है। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना किया और भारतीय सेना के इतिहास की सबसे यादगार लड़ाइयों में से एक में बहादुरी की मिसाल पेश की। फिल्म 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का ट्रेलर रिलीज

जियो स्टूडियोज़ और बी62 स्टूडियोज़ ने फिल्म 'धुरंधर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। वास्तविक घटनाओं पर बनी फिल्म धुरंधर साल के अंत की सबसे बड़ी और सबसे दमदार रिलीज़ मानी जा रही है। यह एक ऐसी रोमांचक कहानी है जो गुप्त एजेंटों की खतरनाक दुनिया को दिखाती है जहाँ हर फैसला जानलेवा हो सकता है और देश की लड़ाई चुपचाप लड़ी जाती है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक आदित्य धर,इस बार एक भव्य और तेज-तर्रार कहानी लेकर आए हैं। रणवीर सिंह इसमें अपने अब तक के सबसे ज़बरदस्त रूप में दिख रहे हैं। उनके साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल जैसे बड़े कलाकार और सारा अर्जुन अपनी पहली भूमिका में नजर आएँगी। रणवीर सिंह ने कहा,"हमने एक ऐसा चलचित्र बनाने की कोशिश की है जो दुनिया की किसी भी बड़ी फिल्म की बराबरी करे। यह कच्ची है, तीखी है और पूरी तरह भारतीय है।आदित्य ने इस कहानी को बहुत खूबसूरती से संभाला है यह जटिल भी है और रोमांचक भी। बेहतरीन तकनीक और शानदार अभिनय ने इसे और ऊँचा उठा दिया है।यह भारत के वैश्विक मंच पर चमकने का समय है और हम चाहते हैं कि यह फिल्म उस पल का हिस्सा बने।"

OTT पर हुमा कुरैशी बनीं QUEEN

1986 दिल्ली में रहने वाले सलीम कुरैशी के घर बेटी का जन्म हुआ. बच्ची के पिता सलीम कुरैशी अपना रेस्तरां चलाते हैं, जबकि मां अमीना कुरैशी हाउस वाइफ हैं. वहीं वो तीन भाइयों की बहन हैं दिल्ली के कालकाजी में बस गए इस परिवार की बेटी का आज बॉलीवुड में दबदबा है, जो हैं- Huma Qureshi. दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से पढ़ाई की. जल्द ही एक्ट 1 थिएटर ग्रुप में शामिल हो गईं. आज एक्ट्रेस ने अपनी बॉलीवुड में अलग पहचान हासिल कर ली है, जो कुछ हुआ वो उनकी मेहनत और बेहतरीन एक्टिंग से. हुमा कुरैशी शुरुआत से ही वर्सेटाइल रही हैं. एक ही साल में डांस नंबर, विलेन, राजनेता और तमाम ऐसे किरदार निभाना, जो किसी ने सोचे भी न हो. बेशक इस वक्त लोग सिर्फ प्रियंका-दीपिका की फिल्मों की बातें कर रहे हैं, पर उधर हुमा कुरैशी ने ओटीटी पर भौकाल काट दिया है.

2 बड़ी सीरीज और एक फिल्म साल 2025 हुमा कुरैशी के लिए जबरदस्त साबित हुआ. पर कैसे हुमा नाम की लड़की बॉलीवुड का एक बड़ा नाम बन गई. खासकर जब बात फिल्मों की आती है, और किसी स्ट्रॉन्ग किरदार को निभाने की, तो फिर मेकर्स के दिमाग में हुमा का नाम भी पक्का होता है. आइए उनके पूरे करियर की बात करेंगे. कैसे पहली ही फिल्म से माहौल जम गया था?

सलमान-शाहरुख का वायरल डांस

शाहरुख खान और सलमान खान जब भी साथ आते हैं, दोनों की एक अलग केमिस्ट्री देखने मिलती है। किंग खान और दबंग खान का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो में दोनों दिल्ली में प्राइवेट वेडिंग फंक्शन में जमकर थिरकते दिख रहे हैं।

एक वीडियो में शाहरुख खान अपनी फिल्म बादशाह के सुपरहिट गाने बादशाह ओ बादशाह से स्टेज पर एंट्री लेते दिख रहे हैं। वहीं एक दूसरे वीडियो में वो सलमान के साथ उनके फेमस गाने पर हुक स्टेप मैच करते नजर आ रहे हैं। शाहरुख 1998 में आई सलमान की फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' के आईकॉनिक गाने 'ओ ओ जाने जाना' पर उनके साथ स्टेप मैच करते दिखे। इस दौरान स्टेज पर सलमान और शाहरुख के साथ दुल्हा-दुल्हन और साथ बैकग्राउंड डांसर्स मौजूद होते हैं। नों स्टार्स को साथ थिरकते दिखे वहां मौजूद ऑडियंस जोर से चीयर करने लगती है। सोशल मीडिया पर दोनों के फैंस इस वीडियो पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- 'मुझे बहुत अच्छा लगा कि शाहरुख को सलमान के गानों के स्टेप्स पता हैं।' एक यूजर लिखते हैं- 'शाहरुख की एनर्जी और वो सलमान के गानों के डांस स्टेप्स को भी अच्छी तरह से जानते हैं।' एक और यूजर ने कॉमेंट किया- 'उन्हें करण अर्जुन 2 बनाने की जरूरत है।' दोनों एक्टर्स की वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान फिलहाल अपनी बेटी सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी के साथ किंग की तैयारी में जुटे हैं। वहीं, सलमान डायरेक्टर अपूर्वा लाखिया की फिल्म बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे।
बता दें कि बड़े पर्दे पर ये दोनों ही स्टार्स कई फिल्मों में साथ दिख चुके हैं। करण-अर्जुन, कुछ-कुछ होता है, हर दिल जो प्यार करेगा, हम तुम्हारे हैं सनम, ओम शांति ओम, ट्यूबलाइट, जीरो, पठान, टाइगर 3 जैसी फिल्मों में दोनों ने साथ काम किया है। हालांकि, इनमें ज्यादातर कैमियो रोल रहा है। खबरों की माने तो शाहरुख खान की अगली फिल्म किंग में भी सलमान कैमियो कर सकते हैं।

"बोल बोल रानी, इता इता आणी" में वर्षा राणे के प्रभावशाली अभिनय की तारीफ

ऑल प्ले प्रोडक्शंस ने अपनी पहली शॉर्ट फिल्म "बोल बोल रानी, इता इता आणी" की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन अथर्व ऑडिटोरियम में किया। इस फिल्म का लेखन निर्देशन और इसमें अभिनय करने वाली वर्षा राणे ने अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर एक शानदार शॉर्ट फिल्म का निर्माण किया। फिल्म में वर्षा राणे के अभिनय ने सबका ध्यान आकर्षित किया। थिएटर से लंबे समय से जुड़ी टीम ने इस बार सिनेमा को नई अभिव्यक्ति के रूप में अपनाया। बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच पर आधारित इस फिल्म ने दर्शकों को भावनात्मक और रोचक प्रस्तुति से जोड़कर रखा। वर्षा राणे की स्क्रीन उपस्थिति और अभिनय को विशेष रूप से सराहा गया, जहाँ उन्होंने अपने कलाकारों और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन भी दिया।
स्क्रीनिंग में मराठी अभिनेत्री और टीवी प्रस्तोता अमृता ए. राव, सुनील राणे और कई सम्मानित अतिथि शामिल हुए। सभी ने फिल्म और इसमें वर्षा राणे के योगदान की प्रशंसा की, साथ ही फ़िल्म के लेखन और निर्देशन के लिए भी वर्षा राणे को बहुत बधाई दिया. कार्यक्रम के दौरान वर्षा राणे ने कहा, "हमारा उद्देश्य बच्चों को ऐसा मंच देना था जहाँ वे अपनी कल्पनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकें। यह फिल्म उसी यात्रा का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने खुद को नई तरह से खोजा।"

ऑल प्ले प्रोडक्शन और मुंबई के अथर्व यूनिवर्सिटी के बीच इस प्रोजेक्ट से सफल रचनात्मक साझेदारी भी दर्शकों को देखने को मिली स्क्रीनिंग के साथ ही बाल दिवस के उत्साह को भी मनाया गया, जहां बच्चों की कल्पनाशक्ति और उनके रचनात्मक सपनों को केंद्र में रखा गया। फिल्म की विशेष झलक ने सभी उपस्थित दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ा और बच्चों द्वारा किए गए इस प्रयास को खूब सराहा गया।

खबर-खास

सहकारी समिति प्रबंधकों और ऑपरेटर्स की हड़ताल स्थगित

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में 3 नवंबर से चल रही जिला सहकारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित हो गई है। संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर गोपाल वर्मा से मुलाकात कर हड़ताल स्थगन का पत्र सौंपा, जिमसें 21 नवंबर से काम पर लौटने की बात कही गई है। जिला सहकारी संघ की ओर से कहा गया है कि शासन द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। किसानों के हित को देखते हुए जिला सहकारी संघ के समस्त कर्मचारी अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को स्थगित करते हैं और 21 नवंबर शुक्रवार से अपने कार्य पर लौट जाएंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, संयुक्त कलेक्टर आरबी देवांगन, उप पंजीयक सहकारिता जीएस शर्मा, खाद्य अधिकारी सचिन मरकाम, डीएमओ अभिषेक मिश्रा, सीसीबी नोडल आरपी मिश्रा सहित अन्य अधिकारी व जिला सहकारी संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

कबीरधाम पुलिस ने बाल सुरक्षा सप्ताह मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में 14 से 20 नवंबर तक बाल सुरक्षा सप्ताह का सफ्ल आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह (भापुसे) के निर्देशन तथा श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी भूपत सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संचालित किया गया। थाना कुकदूर की टीम ने निरीक्षक संग्राम सिंह के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोलमी सहित अन्य विद्यालयों में पहुँचकर छात्र-छात्राओं को समाज के वर्तमान माहौल, अपराधों से दूर रहने तथा विभिन्न आपराधिक गतिविधियों से सुरक्षा के तरीकों के बारे में विस्तृत रूप से समझाइश दी। कार्यक्रम के तहत बच्चों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पौष्टिक आहार, गुड टच-बैड टच, पॉक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, मानव तस्करी, नशा उन्मूलन, बाल श्रम, बाल विवाह एवं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से होने वाले जोखिमों संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस महत्वपूर्ण जन-जागरूकता कार्यक्रम में निरीक्षक संग्राम सिंह, सउनि कुमार मंगलम एवं अधीनस्थ थाना स्टाफका सराहनीय योगदान रहा। कबीरधाम पुलिस द्वारा बच्चों की सुरक्षा एवं जागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियाँ जारी रहेगी।

कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को शीतलहर से बचाव हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 2025-26 शीतलहर सीजन में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।इस संबंध में कलेक्टर बीएस उइके ने सर्वसंबंधित विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कहा है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के आधार पर स्थानीय शीतलहर कार्ययोजना तैयार की जाएं। इस संबंध में जिला और तहसील स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करें। इसके अलावा जनजागरूकता कार्यक्रमों कर सावधानियों शीत लहर के बचाव के लिए प्रचार-प्रसार करें।मौसम विज्ञान केन्द्र रायपुर द्वारा जारी शीतलहर चेतावनी,तापमान और स्थानवार मौसम रिपोर्ट को सभी संबंधित विभागों की जानकारी सुनिश्चित करें।नगरीय निकाय आश्रय रैन-बसेरों का संचालन सुनिश्चित करें,जिसमें बिजली,पानी,भोजन जैसी आवश्यक सुविधाएँ हों। बेघर और प्रभावित व्यक्तियों को चिन्हित कर आश्रय गृहों में स्थानांतरित करें।प्राथमिक उपचार की व्यवस्था,फर्स्ट-एड बॉक्स और आवश्यक निर्देश प्रदर्शित किए जाए।अलाव की व्यवस्था भी स्थानीय स्तर पर की जाए। स्कूल शिक्षा विभाग मौसम चेतावनी के अनुसार स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जा सकता है।कक्षाओं को गर्म रखने, फर्स्ट एड बॉक्स उपलब्ध कराने और अस्पताल/आपात सेवा के नंबर प्रदर्शित करने की व्यवस्था की जाए। विद्यार्थियों को आवश्यक निर्देश दिए जाए। अस्पतालों के बाहर शीतलहर से बचाव संबंधी सुझाव प्रदर्शित करें। दवाइयों का पर्याप्त भंडारण तथा गंभीर मरीजों हेतु पृथक वार्ड भी बनाकर रखें।बच्चों,महिलाओं,दिव्यांग एवं वृद्धों की विशेष देखभाल के निर्देश दिए गए हैं।पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पंचायत भवनों में जागरूकता और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करे।श्रम विभाग श्रमिकों के कार्य समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकता है और उन्हें सावधानियों की जानकारी प्रदान करें। लोक निर्माण विभाग सड़क किनारे बेघर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की व्यवस्था करेगा।समाज कल्याण विभाग भिक्षुक कमजोर और दिव्यांगजनों के लिए रैन-बसेरे व तत्काल चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। पर्यटन विभाग प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मौसम चेतावनी का प्रदर्शन करेगा। परिवहन विभाग बस स्टैंड व अन्य स्थानों पर फर्स्ट-एड बॉक्स की व्यवस्था करेगा और घने कोहरे या न्यूनतम तापमान की स्थिति में सार्वजनिक परिवहन के समय में परिवर्तन पर विचार करेगा।पशुपालन विभाग पशुधन हेतु पर्याप्त चारा, दवाइयों का भंडारण, रात में पशु-आवास की सुरक्षा तथा सर्दियों में अतिरिक्त पोषण की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।पुलिस कोहरे के दौरान यातायात प्रबंधन,सुरक्षा व्यवस्था तथा आश्रय स्थलों की सुरक्षा का दायित्व निभाएगी।कृषि विभाग प्लास्टिक/घास से ढंककर मिट्टी को गर्म रखने, धुआं करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किसानों को शीतघात बचाव की जानकारी देगा।

कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को शीतलहर से बचाव हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गरियाबंद जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 2025-26 शीतलहर सीजन में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।इस संबंध में कलेक्टर बीएस उइके ने सर्वसंबंधित विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कहा है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के आधार पर स्थानीय शीतलहर कार्ययोजना तैयार की जाएं। इस संबंध में जिला और तहसील स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करें। इसके अलावा जनजागरूकता कार्यक्रमों कर सावधानियों शीत लहर के बचाव के लिए प्रचार-प्रसार करें।मौसम विज्ञान केन्द्र रायपुर द्वारा जारी शीतलहर चेतावनी,तापमान और स्थानवार मौसम रिपोर्ट को सभी संबंधित विभागों की जानकारी सुनिश्चित करें।नगरीय निकाय आश्रय रैन-बसेरों का संचालन सुनिश्चित करें,जिसमें बिजली,पानी,भोजन जैसी आवश्यक सुविधाएँ हों। बेघर और प्रभावित व्यक्तियों को चिन्हित कर आश्रय गृहों में स्थानांतरित करें।प्राथमिक उपचार की व्यवस्था,फर्स्ट-एड बॉक्स और आवश्यक निर्देश प्रदर्शित किए जाए।अलाव की व्यवस्था भी स्थानीय स्तर पर की जाए। स्कूल शिक्षा विभाग मौसम चेतावनी के अनुसार स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जा सकता है।कक्षाओं को गर्म रखने, फर्स्ट एड बॉक्स उपलब्ध कराने और अस्पताल/आपात सेवा के नंबर प्रदर्शित करने की व्यवस्था की जाए। विद्यार्थियों को आवश्यक निर्देश दिए जाए। अस्पतालों के बाहर शीतलहर से बचाव संबंधी सुझाव प्रदर्शित करें। दवाइयों का पर्याप्त भंडारण तथा गंभीर मरीजों हेतु पृथक वार्ड भी बनाकर रखें।बच्चों,महिलाओं,दिव्यांग एवं वृद्धों की विशेष देखभाल के निर्देश दिए गए हैं।पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पंचायत भवनों में जागरूकता और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करे।श्रम विभाग श्रमिकों के कार्य समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकता है और उन्हें सावधानियों की जानकारी प्रदान करें। लोक निर्माण विभाग सड़क किनारे बेघर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की व्यवस्था करेगा।समाज कल्याण विभाग भिक्षुक कमजोर और दिव्यांगजनों के लिए रैन-बसेरे व तत्काल चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

जिला स्तरीय गौधाम, पशु कल्याण एवं पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर बीएस उइके ने गौशाला सुदृढ़ीकरण, जैविक खेती व पशु सेवा कार्यों में तेजी के निर्देश दिए

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति, पशु कल्याण समिति एवं पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर ने विगत बैठकों में गौधामों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। साथ ही जिले में संचालित पंजीकृत गौशालाओं के पर्यवेक्षण से संबंधित कार्यों का संपादन शासन के निर्देशानुसार करने,गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने के अलावा जिला स्तरीय समिति जिला स्तर पर गौशाला प्रतिनिधियों कृषकों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी देने,जैविक खाद उत्पादन तथा पंचगव्य उत्पादन के संबंध में प्रशिक्षण आयोजन करने एवं गौशाला पंजीयन के आवेदन पत्र विकासखण्ड समिति की अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग से गौशालाओं का पंजीयन कराने संबंधी निर्देश दिये थे। इस संबंध में पशु चिकित्सा एवं सेवाएं के उपसंचालक डॉ ओपी तिवारी ने बताया कि जिले में संचालित शहरी क्षेत्रों में स्थित अधोसंरचना युक्त गौठान,स्थान को गौधाम स्थापना के लिए जिला स्तरीय गौधाम समिति अपनी अनुशंसा कर प्रस्ताव छ.ग. गौसेवा आयोग को भेजा गया है। जिला स्तरीय गौधाम समिति के बैठक में अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर एवं समिति सदस्य क्रमशः प्रीति पाण्डेय, युगल समदरिया, तुषार कदम,रंजन यादव,टेमेश्वरी ध्रुव एवं जिले के समस्त पशु चिकित्सक उपस्थित थे। जिला स्तरीय पशु कल्याण समिति के शासी सभा की बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से पशुओं में गर्भ परीक्षण कार्य, गर्भाशय में दवाई डालना एवं गर्भाशय को अन्दर करना (प्रोलेप्स ऑफ युटेरस) पशु चिकित्सा संबंधी कार्य पूर्व अनुशंसित दर में करने का प्रस्ताव पारित किया गया।जिला पशु कल्याण समिति में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें समिति सदस्यों द्वारा पंजीकृत पशु व्यापारियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

//न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202511101500064 ब/ 121 वर्ष 2025-26
ग्राम बोरेन्दा प.ह.नं.40
तहसील पाटन,जिला दुर्ग(छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार पिता कामता राम निवासी ग्राम बोरन्दा तह पाटन जिला दुर्ग द्वारा स्वयं का जन्म दिनांक 16.10.2000 के आधार पर जन्म प्रमाण हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 11.12.2025 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 20/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2025

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कामता राम आ.स्व.कंगलू निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरी नातिन ट्वींकल साहू पिता टुमेश्वर जन्म दिनांक 23/09/2014 को ग्राम बोरेन्दा प.ह.नं... तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: कामता राम आ.स्व. कंगलू निवासी बोरन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 14.11.2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
कार्यपालन दण्डाधिकारी
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

// न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

रा.प्र.क्र. 202511100900048 अ 6-अ वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पाटन प.ह.नं.35 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गोवर्धन पिता ठाकुरराम निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1687 का टु. रकबा 0.01 हे.(1266वर्गफीट)भूमि को पंजीयन बैनामा दिनांक 01.08.2011 को भूमिस्वामी रामकुमार शुक्ला पिता बंशीलाल शुक्ला निवासी पाटन से क्रय पर आवेदक का नाम पर नामांतरण पंजी में दर्ज होना एवं लॉनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में आवेदक का नाम दर्ज नहीं होने से ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक गोवर्धन पिता ठाकुरराम निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार अभिलेख दुरूस्त किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 10.12.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19.11.2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

68 कट्टा अवैध धान परिहन के साथ बोलेरो पीकअप वाहन को किया जप्त

गरियाबंद। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम हेतु बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किये जाने हेतु प्रावधान है। चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।इसी तरह 21 नवम्बर को मुखबीर द्वारा थाना देवभोग को सूचना मिला की उड़िसा प्रांत से अवैध रूप से धान बिक्री हेतु परिवहन कर रहा है। जिसकी सूचना तस्दीक पर थाना से पुलिस स्टाफरवाना कर चेक पोस्ट में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग किया जा रहा था।चेकिंग के दौरान 68 कट्टा अवैध धान परिवहन करते बोलेरो क्रमांक सीजी 23 एल 2164 को थाना देवभोग के द्वारा जप्त किया गया।इसी प्रकार विगत 15 दिनों से विशेष अभियान चलाकर थाना देवभोग एवं थाना अमलीदर के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग-अलग कुल 12 प्रकरणों में 652 कट्टा अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेश नही करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में विगत 15 दिनों में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम,भिलाई (छ.ग.)

निविदा सूचना

क्रमांक /लो.क.वि./जोन -1/2025/1055/317 भिलाई दिनाँक 13/11/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतगर्त सक्षम श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निमार्ण कार्य हेतु ऑफलाईन (Ofline) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	आवेदन दिनांक	निविदा जमा करने तिथि
1.	जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो में सड़को के गढ्ढों/सोल्डर में डस्ट डालकर संधारण कार्य। (द्वितीय निविदा)	2.93	05.12.2025	12.12.2025
2.	वार्ड-01 खम्हरिया जुनवानी पेट्रोल पंप से घनिष्ठा ज्वेलस तक 200 एम.एम.डी.आई बुस्टर पाईप बिछाने का कार्य।	9.86	05.12.2025	12.12.2025
3.	वार्ड-07 राधिका नगर में गणेश मंदिर के पीछे सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	5.00	05.12.2025	12.12.2025
4.	वार्ड-12 रानी अवंती बाई कोहका में शिक्षक नगर बाल उद्यान के पास सार्वजनिक डोमशेड निर्माण कार्य।	2.00	05.12.2025	12.12.2025
5.	पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड-17 आकाशगंगा रैन बसेरा भवन का संधारण एवं नई सुविधा कार्य।	1.00	05.12.2025	12.12.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी uad.cg.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट www. bhilainagarnigam.com से डाउनलोड की जा

जोन आयुक्त

कार्यालय संपदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा

प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव
कार्यालय पता :- न्यू बस स्टैण्ड व्यवसायिक परिसर राजनांदगाव जिला राजनांदगाव (छ.ग.)
फोन नं. 07744469714
E-mail - emzonerjn@gmail.com

क्र.// सं.अधि./25 राजनांदगांव / दिनांक//2025

-: आम सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कि छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल, राजनांदगांव द्वारा दीनदयाल आवास योजनांतर्गत् कौरिनभांठा, राजनांदगांव में भवन क्रमांक एल.आई.जी.-419 (भू-तल), का संयुक्त रूप से आबंटन श्री संतोष कुमार पाण्डे पिता श्री संतराम पाण्डे एवं श्रीमती सुमन पाण्डें पति श्री संतोष पाण्डे को हुआ है। दिनांक 17.11.2017 को पंजीयन कार्यालय मे विक्रय विलेख निष्पादन हो चूका है। आबंटीयों द्वारा इस कार्यालय में आवेदन एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त भवन को श्री आदित्य नारायण सिंह पिता श्री ब्रिकेश सिंह पता-मकान नं 283, मिलचाल, बी. एन.सी मिल वार्ड नं 14 तहसील व जिला राजनांदगांव को विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति हेतु अनुरोध किया गया है।

अत: आवेदकगणो के आवेदन पर विक्रय अनुमति की कार्यवाही से किसी व्यक्ति परिवार के सदस्य, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था, वित्तीय संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा / आपत्ति कर सकता है, अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के के बाद में कोई दावा /आपत्ति मान्य नही होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में विक्रय अनुमति की कार्यवाही की जावेगी ।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

// न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

रा.प्र.क्र. 202511100900047 अ 6-अ वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पाटन प.ह.नं.35 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गोवर्धन पिता ठाकुरराम निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 871/1685/1 रकबा 0.01 हे.(1087 वर्गफीट)भूमि को पंजीयन बैनामा दिनांक 27.06.2007 को भूमिस्वामी अशोक कुमार पिता खेदूराम निवासी पचपेड़ी से क्रय पर आवेदक के नाम पर ऋणपुस्तिका में नाम दर्ज होना एवं ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में आवेदक का नाम दर्ज नहीं होने से ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक गोवर्धन पिता ठाकुरराम निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार अभिलेख दुरूस्त किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 19.12.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19.11.2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ,ग.)

रा0प्र0क्र0/202510104000051/31-19(3)/2025-26
मौजा:- अहेरी
प0ह0न0:- 02

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) जिला दुर्ग (छ.ग.) के ज्ञापन क्रमांक / 1416/ भू-अभि./अ.भू.अ./2025 दुर्ग, दिनांक 06.08.2025 अनुसार कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) जिला दुर्ग (छ.ग.) के आदेश क्रमांक / 1396/ भू.अभि. / अ.भू.अ./2024 दुर्ग, दिनांक 05.09.2024 के तहत कबीरधाम जिले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा अंतर्गत बरोदाखुर्द जलाशय योजना के निर्माण में क्षतिपूर्ति नवीनीकरण के लिए दुर्ग जिला के दुर्ग वनमंडल के अंतर्गत तहसील अहिवारा के ग्राम अहेरी, प.ह.नं. 02 में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 316, 317, 318, 319, 360, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 699, 700, 701, 702 रकबा क्रमशः 0.94, 0.75, 0.96, 1.35, 0.40, 1.82, 0.15, 0.31, 0.53, 0.70, 0.20, 1.30, 1.35, 1.58, 0.66 हे. कुल रकबा 13.00 हे. भूमि को वन विभाग के पत्र में डी.जी.पी.एस. सर्वेक्षण कार्य एवं वन विभाग के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया है। जिसे वनमंडलाधिकारी, दुर्ग के नाम पर आबंटित / परिवर्तित किये जाने हेतु लेख किया गया है, जो कि नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि वन विभाग को आवंटित किये जाने हेतु जांच कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

अतएवं इस आवेदन के संबंध में विधिक आपत्तियाँ / दावा रखने वाला व्यक्ति / संस्था, स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 28.11.2025 को इस न्यायालय में लिखित आवेदन कर निवेदित कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 29.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक : 28.11.2025
जारी दिनांक: 29.10.2025

तहसीलदार
अहिवारा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-252604906/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक **13.11.2025**

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक **03.12.2025** तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
277/179921	बेमेतरा संभाग के अंतर्गत विभिन्ना मार्गो में रोड मार्किंग एवं सूचना पलक का कार्य	40.00
278/179922	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत जिला बालोद के विद्यमान सड़को के रोड़ सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार सड़क सुधार एवं सुरक्षा उपाय कार्य	168.63
279/179924	खैरागढ संभाग के अंतर्गत विद्यमान सड़को के रोड़ सेफ्टी सड़क सुधार एवं सुरक्षा उपाय कार्य	161.41
280/179925	जिला राजनांदगांव के शहरी क्षेत्र में रोड़ सेफ्टी के अंतर्गत स्पीड ब्रेकर साईन बोड़ एवं अन्य बोर्ड फर्नीचर कार्य	20.00
281/179926	उपसंभाग क्रं. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत राज्य मार्ग पर जंक्शन सुधार का कार्य एवं आई.आर.सी. के प्रावधानुसार कैश बैरियर लगाने का कार्य	130.62
283/179927	जिला कबीरधाम के अंतर्गत राज्य मार्ग पर जंक्शन संधार का कार्य एवं आई.आर.सी. के प्रावधानुसार कैश बेयर का कार्य	43.95

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

G-252604935/1

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

धान खरीदी कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

- किसानो के हितों को देखते हुए समिति कर्मचारी काम पर लौटे
- उपार्जन केन्द्रों की रौनक लौटी

महासमुंद(समय दर्शन)। समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को समाप्त करने का निर्णय लिया है। जिला सहकारी समिति कर्मचारी संघ एवं ऑपरेटर संघ के पदाधिकारियों सहित समिति प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, विक्रेता, कंप्यूटर ऑपरेटर और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने जिला प्रशासन को हड़ताल समाप्ति संबंधी पत्र सौंपा।

संघ ने बताया कि वे शुक्रवार से धान उपार्जन केंद्रों पर पूर्व की तरह अपनी सेवाएं पुन: प्रारंभ करेंगे, जिससे धान खरीदी कार्य में तेजी आएगी और किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

आज देर शाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारियों ने अपर कलेक्टर रवि साहू, खाद्य अधिकारी अजय यादव, नोडल अधिकारी अविनाश शर्मा एवं उप पंजीयक द्वारिका नाथ के समक्ष हड़ताल समाप्ति पत्र सौंपा। प्रशासन ने कर्मचारियों को काम पर लौटने के निर्णय के लिए धन्यवाद दिया और प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने का आग्रह किया।

कर्मचारी संघ ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही की जाएगी और किसानों के हित में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी रहेगी।

संक्षिप्त-खबर

विकासखंड स्तरीय वातावरण निर्माण एवं दिव्यांग प्रशिक्षण बड़े टेमरी में सम्पन्न

बसना(समय दर्शन)। महासमुंद जिला के बसना विकासखण्ड समग्र शिक्षा के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय वातावरण निर्माण एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (ष्ट्ठस्ह्र) का दो दिवसीय प्रशिक्षण बड़े टेमरी में सम्पन्न हुआ।

जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे विकासखंड स्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव,प्राचार्य शरद प्रधान,समन्वयक डिजेन्द्र कुर्रे, स्रस्ह्र नोडल शरण दास, गजानंद भोई व्याख्याता अंग्रेजी कुदारीबाहरा,मास्टर ट्रेनर गजेन्द्र नायक, वारिश कुमार, सालिक राम टंडन एवं अंकित कमलेश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय दिव्यांग प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की पहचान करना और उन्हें सशक्त बनाना है। इसके तहत, शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिव्यांग बच्चों की पहचान और उन्हें विशेष शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। यह प्रशिक्षण समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देता है और दिव्यांग छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करता है। कुछ मामलों में, यह प्रशिक्षण बच्चों को सहायक उपकरण (जैसे ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर) प्रदान करने या व्यावसायिक कौशल सिखाने से भी संबंधित हो सकता है। दिव्यांगता के 21 प्रकार को बताया गया। साथ ही दिव्यांगता के कारण जन्म के पूर्व एवं जन्म के बाद कैसे बचा जा सकता है। उसको विस्तारपूर्वक बताया गया।दिव्यांग बच्चों एवं सामान्य बच्चों के साथ पालकगण को सकारात्मक वातावरण निर्माण करना चरणबद्ध तरीके से बताया गया।सफल प्रशिक्षण के लिए जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे सर जिला स्रोत समन्वयक महासमुंद रेखराज शर्मा सर ने बधाई दिये।

पिथौरा महाविद्यालय में हुआ बाल दिवस कार्यक्रम एवं एकता दिवस पखवाड़ा का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। चंद्रपाल डड़सेना शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में प्राचार्य डॉ एस एस तिवारी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वाधान से बाल दिवस कार्यक्रम एवं एकता दिवस पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात सर्वप्रथम प्राचार्य के उद्बोधन से हुई।

जिसमें उन्होंने भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री एवं लौह पुरुष से सम्मानित सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में बताया कि उन्होंने 562 रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव मजबूत की, साथ ही देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं जवाहरलाल नेहरू की जीवनी पर संक्षिप्त प्रकाश डाला ।तत्पश्चात राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस एस दीवान ने सभी को एकता का संदेश दिया । तत्पश्चात इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन छात्र छात्राओं द्वारा किया गया ।पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम लीजा साहू, द्वितीय देव सोनवानी एवं तृतीय करीना साहू तथा भानुप्रताप जबकि भाषण प्रतियोगिता में प्रथम ज्योति बाधवानी, द्वितीय मेघा सिन्हा, तृतीय कान्हा निषाद एवं रोहन पटेल रहे। साथ ही निबंध प्रतियोगिता में प्रथम प्रीति चौहान, द्वितीय प्रिंसी विशाल, तृतीय छाया साहू एवं करीना साहू रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ एस एस तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस एस दीवान, आई क्यू ए सी प्रभारी डॉ सीमा अग्रवाल, रासेयो प्रभारी शेखर कानूनगो, रेड क्रॉस एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी टिकेश्वरी, सहायक प्राध्यापक सुमन पटेल के साथ साथ योगेश पटेल, तन्मीत कौर, वेदश्रुति पटेल आदि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। सभी स्वयंसेवक एवं विभिन्न छात्र छात्राएं भी उत्साह के साथ शामिल रहे ।कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी शेखर कानूनगो द्वारा किया गया।

सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप ईटानगर अरुणाचल प्रदेश के लिए छत्तीसगढ़ की टीम रवाना

- सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में महासमुंद जिले के 06 खिलाड़ी होंगे शामिल

महासमुंद(समय दर्शन)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 42 वीं एनटीपीसी सब-जूनियर (बालक एवं बालिका) नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 22 से 30 नवंबर 2025 तक ईटानगर अरुणाचल प्रदेश में आयोजित किया गया है। बॉल आश्रम बिहाझर बागबाहरा एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर भोरिंग से प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। चयनित खिलाड़ियों में तोरण यादव पिता नेतराम यादव, चांदनी साहू पिता बलदेव साहू, जया साहू पिता सोमनाथ साहू, डोमेश्वरी साहू पिता लिखन साहू, देविका साहू पिता टीकम साहू, नवलीन कौर पिता अरविंद छाबड़ा राष्ट्रीय चैंपियनशिप ईटानगर में इंडियन राउंड, कंपाउंड राउंड एवं रिकर्व राउंड में शामिल होंगे। जिले के बागबाहरा एवं खेलो इंडिया आर्चरी ट्रेंनिंग सेंटर खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद के खिलाड़ी नेशनल में मेडल जीतने की उम्मीद से जिले से रवाना हुए, जिसमें जया साहू पिता सोमनाथ साहू एवं डोमेश्वरी साहू पिता लिखन साहू छत्तीसगढ़ राज्य की टीम में शामिल हैं। चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ी आधुनिक धनुष से छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे इससे पहले खिलाड़ी इंडियन राउंड के राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शामिल हो चुके हैं। राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के चयन होने एवं अच्छे प्रदर्शन करने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, भारतीय तीरंदाजी संघ उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन सचिव आयुष मुरारका, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज कुमार घृतलहरे, प्राचार्य एकलव्य भोरिंग महेंद्र टंडन, छात्रावास अधीक्षक डॉ. पूर्णेन्द्र चंद्राकर, जिला तीरंदाजी संघ बागबाहरा जिला महासमुंद के अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अरविंद छाबड़ा, सोमनाथ साहू, प्राचार्य सेजेस बागबाहरा हीरा सिंह नायक, व्यायाम शिक्षक ऋषि कपूर साहू, हिरेन्द्र देवांगन, डॉ. सुनील कुमार भोई, पिरीत साहू, संजय पैकरा, रिंकल बग्गा, रंजीत कौर, सोमनाथ साहू, संजय सोनवानी, बॉल आश्रम बिहाझर के खिलाड़ी नरेश साहू, पद्मा साहू एवं खेलो इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के समस्त खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं।

कृषि विभाग के समन्वित प्रयासों से किसानों के समृद्धि के द्वार खुले

- विभिन्न नवाचारी योजनाओं से आर्थिक उन्नति की दिशा में कारगर पहल

महासमुंद(समय दर्शन)। महासमुंद जिले में कृषि विकास को गतिशील एवं लाभकारी बनाने के लिए केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। आधुनिक सिंचाई तकनीकों के विस्तार से लेकर किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाने वाली योजनाओं तक, जिले ने लक्ष्य प्राप्ति में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के सफल क्रियान्वयन ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के साथ जल संरक्षण, फसल उत्पादकता वृद्धि और किसानों की आर्थिक उन्नति की दिशा में विशेष योगदान दिया है। जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। निर्धारित 151 हेक्टेयर सिंचाई लक्ष्य के विरुद्ध 84 कृषकों के खेतों में 149.66 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर के माध्यम से सिंचाई व्यवस्था स्थापित की गई। लक्ष्य के लगभग पूर्ण होने से किसानों को आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का महत्वाकांक्षी लाभ मिला है। वर्ष 2025-26 के लिए कृषि विभाग ने कुल 264 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली विस्तार का लक्ष्य रखा है, जिसमें 235 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई तथा 29 हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिंचाई स्थापित की जाएगी। इस योजना से जल संरक्षण, फसलों की उत्पादकता वृद्धि और कृषि लागत में कमी की दिशा में प्रगति होगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत जिले में 1,26,234 किसानों को योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है और पात्र किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया निरंतर जारी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत जिले में 25.25 करोड़ रूपए की राशि किसानों को उनके खाते में प्राप्त हुई है। जिले में 1,39,063 किसानों का लैंड सीडिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार 1,37,835 किसानों की आधार सीडिंग तथा 1,40,733 किसानों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है। जिले में 1,461 पात्र पीव्हीटीजी हितग्राही इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हैं। इसी तरह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 1,920 हेक्टेयर क्षेत्र में मिलेट्स रागी फसल प्रदर्शन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 1,320 हेक्टेयर में मक्का, 260 हेक्टेयर में उड़द एवं मूंग, 50 हेक्टेयर में मूंगफली तथा 20-20 हेक्टेयर में सूरजमुखी एवं तिल फसल प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही 250 हेक्टेयर क्षेत्र में शैलो ट्यूबवेल सब्सिडी प्रदान करने का लक्ष्य भी रखा गया है।

जिले में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

- अब 123 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी शुरू, 01 लाख 44 हजार 506 क्विंटल धान खरीदा गया

महासमुंद(समय दर्शन)। राज्य शासन के मंशानुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत कृषक उन्नति योजना के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी बिना किसी रुकावट के तेजी से जारी है। जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आज 7वां दिन हैं। जिले के 130 समितियों के 182 उपार्जन केन्द्रों में से 123 केन्द्रों में आज दिनांक तक एक लाख 44 हजार 506.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिन केन्द्रों में धान खरीदी की शुरुआत नहीं हुई है लगभग उन सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों से निर्बाध रूप से धान खरीदने की पूरी तैयारी की गई है।

जिले में किसान उत्साह से धान खरीदी केंद्रों में धान लेकर पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में आज प्राथमिक सहकारी समिति बेमचा में धान बेचने आए कृषक श्री प्रहलाद चंद्राकर एवं श्री देवेन्द्र साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में किसानों के हित में उठाए गए कदमों से हमें भरोसा मिल रहा है कि हमारा धान उचित मूल्य पर सुरक्षित तरीके से खरीदी जाएगा। उन्होंने बताया कि खरीदी केन्द्र में व्यवस्था बेहतर और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी है। वे बताते है कि बिना किसी परेशानी के उन्होंने धान का विक्रय किया। उन्होंने सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहयोग के लिए शासन एवं प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्साह पूर्वक धान बेचने पहुंच रहे हैं किसान

टोकन तुहर हाथ मोबाइल एप से आसानी से कट रहा है टोकन- किसान प्रहलाद एवं देवेन्द्र- ग्राम कौंदकेरा के किसान प्रह्लाद चंद्राकर ने कहा कि सरकार धान खरीदी में किसानों का पूरा ध्यान रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी मोबाइल ऐप द्वारा घर में टोकन काटा गया। उन्होंने बताया कि आज 550 कट्टा धान बेमचा मंडी में लाया हूं। धान की तौलाई अच्छे से हो रही है। उन्होंने कहा कि बारदाना भी आसानी से मिल रहा है। हम सरकार की व्यवस्था से खुश है। इसी तरह किसान देवेंद्र साहू ने भी बताया कि उनका 25 एकड़ खेत है और आज लगभग 60 क्विंटल धान बेचने आए है। मुस्कुराते हुए कहा कि धान खरीदी हम लोगों का त्यौहार है। आसानी से धान बिक जाए तो ये हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। बेमचा सहकारी समिति में अब तक 34 किसानों का टोकन काटा गया है। यहां 5 पंचायत के 12 गांव के किसान धान बेचने आते हैं।

सहकारी समिति सपोस पंजीयन क्रमांक 1153में धान खरीदी प्रारंभ

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा विकासखण्ड के ग्रीन ग्राम सपोस स्थित सहकारी समिति के कर्मचारियों के हड़ताल वापसी उपरान्त धान खरीदी छत्तीसगढ़ महतारी , एवं भारतमाता की पूजा अर्चना के साथ 21.11.,2025 दिन शुक्रवार को ग्रामीण सेवा सहकारी समिति सपोस में धान खरीदी समिति के कर्मचारियों द्वारा मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे जनपद पंचायत पिथौरा, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरे, निरंजन यादव प्राधिकृतअध्यक्ष, किशोर चंद बघेल सरपंच ग्राम पंचायत सपोस, हरिचरण प्रधान अध्यक्ष किसान संघ, क्षीरसागरसाहू , महंत पी .एल. कोसरिया, धीरकुमार प्रदान, अनूप साहूसरपंच ग्राम पंचायत पाटन दादर , अश्विनी विशाल, संतोष सिंह ठाकुर , काशीराम प्रधान, कैलाश प्रदान,ग्राम सपोस के बैगा आनंद बरिहा, उपार्जन केंद्र सपोस समिति के ऑपरेटर घनश्याम दीवान, रामचरण प्रधान,अक्षय कुमार बारीक, ओम प्रकाश सेठ,की उपस्थिति में सुचारू रूप से प्रारंभ किया गया।

उपार्जन केंद्र में आए कृषकों का फूलमाला से सहकारी समिति सपोस द्वारा स्वागत किया गया। इस शुभ अवसर पर अतिथि श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे एवं उपस्थित प्रतिनिधि द्वारा एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण भी किया गया।

डोंगरीपाली छ के ग्रामीणों ने धान उपार्जन केन्द्र यथावत रखे जाने किया एन एच 53 में चक्का जाम

- तहसीलदार पिथौरा के आश्वासन पर ग्रामीणों चक्का जाम किया स्थगित

बसना (समय दर्शन)। बसना की शरहद से लगे पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत के ग्राम डोंगरीपाली छ के किसानों ने धान उपार्जन केन्द्र को यथावत रखे जाने हेतु नेशनल हाईवे 53 पर एक घंटे चक्का जाम कर अपनी मांगों को लेकर आक्रोश व्यक्त किया।

बता दें कि डोंगरीपाली के ग्राम वासियों ने बताया कि विगत तीन वर्षों से लगातार डोंगरीपाली में धान खरीदी किया गया है। इस वर्ष धान खरीदी का टोकन किसानों के नाम काटा गया है। बावजूद इसके ,अचानक बिना ग्रामीणों की जानकारी के धान उपार्जन केन्द्र छोटे लोरम प्रारंभ कर दिया गया है।

डोंगरीपाली एवं लालमाटी के किसानों ने बताया कि हम लोगों को किसी भी प्रकार से सूचना नहीं दी गई और डोंगरीपाली से हटाकर छोटे लोरम में धान उपार्जन केन्द्र खोला जाना न्यायोचित नहीं है।

शासन प्रशासन से हमारी मांग है कि, डोंगरीपाली में धान खरीदी केंद्र यथावत रखा जाये या ग्राम के ही नजदीकी ग्राम जेराभरन उपार्जन केन्द्र में शामिल किया जाये,जिससे हमारे यहां के किसानों को यथोचित सुविधा मिल सके।

आगे ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी हाल में डोंगरीपाली और लालमाटी के किसान छोटे लोरम में धान नहीं बेचेंगे।

उल्लेखनीय है कि धान उपार्जन केन्द्र डोंगरीपाली के नाम पर टोकन काटना प्रारंभ भी किया जा चुका है।

धान स्टेक के लिए भूसा भी मंगाया गया है ।

अब न जाने किन कारणों से उपार्जन केन्द्र डोंगरीपाली से सीधे छोटे लोरम चला गया।

अकस्मात ऐन वक्त पर धान उपार्जन केन्द्र के स्थान को परिवर्तित कर शासन प्रशासन हम किसानों के साथ अन्याय कर रही है ।

जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। किसानों ने शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सैंकड़ों की संख्या में महिलाएं भी चक्का जाम में शामिल रहीं।

इस संबंध में पिथौरा तहसीलदार मनीषा देवांगन ने बताया कि डोंगरीपाली के किसानों की मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचा कर अवगत करा दिया जायेगा।

नायब तहसीलदार ललित सिंह का किसानों को समझाने में विशेष योगदान रहा। उक्त अवसर पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26